हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

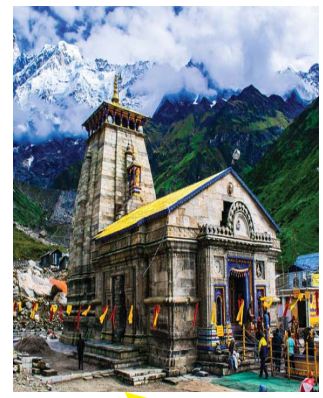

वर्ष:5 अंक:11 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये pathpravah.com हरिद्वार, गुरूवार, 15 जनवरी 2026

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने 33.36 करोड़ की 9 विकास योजनाओं का किया लोकार्पण व शिलान्यास

पथ प्रवाह, खटीमा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को खटीमा में आयोजित कार्यक्रम में 33 करोड़ 36 लाख 49 हजार की लागत से तैयार एवं प्रस्तावित कुल 9 विकास योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। इनमें जिला विकास प्राधिकरण द्वारा 11 करोड़ 27 लाख 50 हजार की लागत से निर्मित हाईटेक महाराणा प्रताप बस स्टेशन प्रमुख है, जिसका शुभारंभ मकर संक्रांति एवं घुघुतिया पर्व के पावन अवसर पर किया गया।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने इस अवसर पर नानकमत्ता विधानसभा क्षेत्र के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने नानकमत्ता में बालाजी मंदिर के सौंदर्यीकरण, ब्रह्मदेव मंदिर लोहिया पुल खटीमा के सौंदर्यीकरण एवं पुनर्निर्माण, देवभूमि धर्मशाला में कक्ष, हॉल व सौंदर्यीकरण कार्य, सोनूखरी-किशनपुर-बरकीडांडी-कैथुला-टुकड़ी मार्ग के हॉटमिक्स सड़क निर्माण की घोषणा की।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने हाईटेक महाराणा प्रताप बस स्टेशन, नगर पालिका के वार्ड संख्या 7 व 8 में 48.45 लाख की लागत से पेयजल नलकूप, ओवरहेड टैंक एवं पाइपलाइन कार्यों, नानकमत्ता विधानसभा क्षेत्र में 490.21 लाख की लागत से राजस्व निरीक्षक व उपनिरीक्षक आवासीय भवनों तथा 359.91 लाख की लागत से उपनिरीक्षक कार्यालय भवनों, ग्राम मझोला में झील से पॉलिगंज की ओर 225.62 लाख की लागत से नाला निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया। इसके साथ ही 499.65 लाख की लागत से 300 हैंडपंप स्थापना, 29.65 लाख से महाराणा प्रताप द्वार निर्माण, 24.50 लाख से हाईटेक शौचालय निर्माण तथा 95 लाख की लागत से थारू इंटर कॉलेज खटीमा के पुनर्निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि नया हाईटेक बस स्टेशन क्षेत्र की परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ करेगा तथा व्यापार, पर्यटन और रोजगार के नए अवसर सृजित करेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल सहित सभी क्षेत्रों में तेजी से विकास हो रहा है। खटीमा को अपना घर बताते हुए उन्होंने कहा कि यहां की जनता से उन्हें कार्य करने की ऊर्जा मिलती है।

उन्होंने गदरपुर-खटीमा बाईपास, नौसर पुल, केंद्रीय विद्यालय, राष्ट्रीय खेल स्टेडियम चकरपुर, आधुनिक आईटीआई, पॉलीटेक्निक कॉलेज, 100 बेड अस्पताल, सिडकुल, प्रस्तावित सैन्य स्मारक, पंतनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, जमरानी बांध परियोजना, एम्स सैटेलाइट सेंटर और इंडस्ट्रियल स्मार्ट सिटी खुरपिया जैसी योजनाओं का भी उल्लेख किया। सांसद श्री अजय भट्ट एवं पूर्व विधायक डॉ. प्रेम सिंह राणा ने नवनिर्मित बस अड्डे के लोकार्पण पर क्षेत्रवासियों को बधाई देते हुए इसे मुख्यमंत्री का ड्रीम प्रोजेक्ट बताया और इसका नाम महाराणा प्रताप रखने पर आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, विधायक शिव अरोरा, नगर पालिका अध्यक्ष खटीमा रामेश चंद्र जोशी, नगर पंचायत अध्यक्ष नानकमत्ता प्रेम सिंह टूरना, दर्जा मंत्री अनिल कपूर डब्बू, फरजाना बेगम, मंजीत सिंह, जिलाध्यक्ष कमल जिन्दल, महामंत्री रमेश जोशी, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि व अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने खटीमा से शुरू की विकास, भरोसे और उम्मीदों की नई कहानी

पथ प्रवाह, खटीमा। मकर संक्रांति और घुघुतिया पर्व की सुबह खटीमा के लिए खास बन गई। ठंडी हवा में उत्साह की गर्माहट थी और लोगों की निगाहें उस मंच पर टिकी थीं, जहां से विकास की नई इबारत लिखी जानी थी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के आगमन के साथ ही खटीमा में उम्मीदों का शोर गूंज उठा।

करीब 33 करोड़ 36 लाख रुपये की 9 विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास सिर्फ आंकड़े नहीं थे, बल्कि वर्षों से देखे जा रहे सपनों का साकार रूप थे। 11 करोड़ से अधिक की लागत से बना हाईटेक महाराणा प्रताप बस स्टेशन जब जनता को समर्पित हुआ, तो मानो खटीमा को आधुनिकता का नया द्वार मिल गया। लोगों के चेहरों पर संतोष था–अब सफर आसान होगा, व्यापार बढ़ेगा और रोज़गार के नए रास्ते खुलेंगे।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने मंच से जब कहा कि 'खटीमा मेरा घर है,' तो तालियों की गूंज ने साफ कर दिया कि यह रिश्ता औपचारिक नहीं, भावनात्मक है। मंदिरों के सौंदर्यीकरण से लेकर सड़कों, पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य तक–घोषणाओं की श्रृंखला ने यह भरोसा दिलाया कि विकास सिर्फ शहरों तक सीमित नहीं रहेगा।

खटीमा की गलियों, गांवों और खेतों तक विकास की रोशनी पहुंचाने की बात करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने युवाओं के लिए शिक्षा, नौकरी और बेहतर भविष्य का खाका खींचा। नकल विरोधी कानून, समान नागरिक संहिता और पारदर्शी भर्ती व्यवस्था का जिक्र करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास के साथ अनुशासन और न्याय भी उतना ही जरूरी है।

कार्यक्रम के अंत में जब जनप्रतिनिधि और अधिकारी मंच से उतरे, तब भीड़ में एक बात साफ दिखी–खटीमा सिर्फ योजनाओं का गवाह नहीं बना, बल्कि विश्वास का साझेदार भी। यह दिन खटीमा के लिए सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत की कहानी बन गया।

भारत ने अपने नागरिकों को ईरान छोड़ने की सलाह दी, दूतावास ने हेल्पलाइन नम्बर जारी किये

नयी दिल्ली। भारत ने ईरान में जारी विरोध प्रदर्शनों और सरकार की कार्रवाई में मरने वाले लोगों की बढती संख्या के बीच बुधवार को ईरान में मौजूद अपने नागरिकों को जल्द से जल्द देश छोड़ने की सलाह दी है और तेहरान स्थित दूतावास में संपर्क करने के लिए हेल्पलाइन नम्बर जारी किये हैं। सरकार ने यह कदम क्षेत्रीय तनाव के बढने और व्यापक प्रदर्शनों के बीच तेजी से बदलती सुरक्षा स्थिति का हवाला देते हुए उठाया है। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास द्वारा बुधवार को जारी परामर्श में छात्रों, तीर्थयात्रियों, व्यवसायियों और पर्यटकों सहित सभी भारतीय नागरिकों से वाणिज्यिक उड़ानों सहित उपलब्ध किसी भी परिवहन माध्यम से ईरान छोड़ने का आग्रह किया गया है।

यह परामर्श पांच जनवरी को जारी पूर्व चेतावनी के बाद जारी किया गया है। दूतावास ने एक बयान में कहा, 'ईरान में बदलती स्थिति को देखते हुए, वहां रह रहे भारतीय नागरिकों को उपलब्ध परिवहन साधनों के माध्यम से ईरान छोड़ने की सलाह दी जाती है। '

विदेश मंत्रालय ने भी ईरान की यात्रा से बचने के परामर्श को दोहराते हुए भारतीय नागरिकों को 'अगले आदेश तक' ईरान न जाने की सलाह दी है।

दूतावास ने सभी भारतीय नागरिकों और भारत मूल के लोगों से सतर्कता बरतने और विरोध प्रदर्शनों से दूर रहने तथा भारतीय दूतावास के संपर्क में बने रहने को कहा है। उनसे कहा गया है कि वे यात्रा के दौरान अपने सभी दस्तावेज तैयार रखें और इस बारे में वह दूतावास से भी मदद ले सकते हैं।

दूतावास ने आपात स्थिति के लिए हेल्पलाइन नम्बर भी जारी किये हैं। लोग दूतावास से मोबाइल नम्बर 989128109115, 989128109109, 989128109102 और 989932179359 पर संपर्क कर सकते हैं। भारतीय दूतावास से ई मेल cons.tehran@mea.gov.in पर भी संपर्क कर सकते हैं। दूतावास ने सभी नागरिकों को बिना देरी के दूतावास में पंजीकरण कराने की सलाह दी है।

यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह 'कड़ी कार्रवाई' कर सकते हैं।

रिपोर्टों के अनुसार ईरान में सरकार के खिलाफ जारी प्रदर्शनों के दौरान 2,500 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

संस्कृति, विकास और विरासत के साथ आगे बढ़ रहा उत्तराखंड:मुख्यमंत्री धामी

पथ प्रवाह, लखनऊ

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पर्वतीय महापरिषद द्वारा आयोजित उत्तरायणी कौथिग में प्रतिभाग करते हुए कहा कि उत्तराखंड आज संस्कृति, विकास और विरासत को साथ लेकर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने उत्तरायणी, मकर संक्रांति और घुघुतिया पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उत्तरायणी केवल एक लोकपर्व नहीं, बल्कि उत्तराखंड की सांस्कृतिक पहचान और अपनी जड़ों से जुड़े रहने का सशक्त प्रतीक है। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि लखनऊ में आयोजित यह कौथिग उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश की साझा सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का प्रभावी मंच है। लोकगीत, लोकनृत्य, लोकभूषा, हस्तशिल्प और कुटीर उद्योगों की प्रस्तुति न केवल परंपराओं को जीवंत रखती है, बल्कि स्थानीय शिल्पकारों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती देती है। उन्होंने इसे 'वोकल फॉर लोकल' और 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना का सशक्त उदाहरण बताया।

पर्वतीय महापरिषद के 25 वर्षों की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्था ने उत्तर प्रदेश में रह रहे उत्तराखंडवासियों को एक सूत्र में बांधकर उनकी भाषा, संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित रखने का सराहनीय कार्य किया है। उन्होंने लखनऊ से अपने भावनात्मक जुड़ाव का उल्लेख करते हुए कहा कि यह शहर उनकी कर्मभूमि रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकास के साथ अपनी संस्कृति और आस्था को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठा दिला रहा है। इसी दृष्टि से उत्तराखंड में केदारनाथ-बद्रीनाथ मास्टर प्लान, मानसखंड मंदिर माला मिशन और गंगा-यमुना कॉरिडोर जैसे कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि राज्य गठन के बाद उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था 26 गुना बढ़ी है और 44 प्रतिशत रिवर्स पलायन हुआ है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार देवभूमि की अस्मिता, सुरक्षा और मूल स्वरूप की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। विकास, विश्वास और अवसर के साथ आगे बढ़ता यही नया उत्तराखंड है। कार्यक्रम में पर्वतीय महापरिषद के पदाधिकारी, प्रवासी उत्तराखंडी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

प्रेम हॉस्पिटल की अनूठी पहल, निशुल्क जांच के साथ गरीब मरीजों के लिए मुफ्त सर्जरी का संकल्प

पथ प्रवाह, हरिद्वार

धर्मनगरी के प्रेम हॉस्पिटल सुपर मल्टीस्पेशलिटी एंड ट्रॉमा सेंटर में मकर संक्रांति के पावन अवसर पर एक विशाल निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा की माता स्व. श्रीमती निर्मल देवी लूथरा की पुण्य स्मृति में आयोजित किया गया, जो सेवा, संवेदना और मानवीय मूल्यों का जीवंत उदाहरण बना।

शिविर का विधिवत शुभारंभ पूर्व मुख्यमंत्री व सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत, विधायक मदन कौशिक, विधायक आदेश चौहान, वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा, भाजपा जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा, पूर्व राज्यमंत्री विमल कुमार, आईवीएफ विशेषज्ञ डॉ. संध्या शर्मा तथा

हॉस्पिटल प्रबंधक हिमांशु पालीवाल ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर अस्पताल प्रबंधन द्वारा प्रत्येक माह एक निर्धन मरीज की सर्जरी पूर्णतः निःशुल्क करने का संकल्प लिया गया, जिसकी सभी अतिथियों ने सराहना की।

मुख्य अतिथि सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि वर्तमान समय में स्वास्थ्य सेवाएं लगातार महंगी होती जा रही हैं, ऐसे में गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए सर्जरी जैसे खर्च उठाना अत्यंत कठिन हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रेम हॉस्पिटल द्वारा चिन्हित गरीब मरीजों की निःशुल्क सर्जरी का निर्णय समाज के लिए बड़ी राहत है। मकर संक्रांति जैसे शुभ पर्व पर यह पहल सूर्य के उत्तरायण होने की तरह ही सकारात्मक परिवर्तन का संदेश देती है।

आईवीएफ विशेषज्ञ डॉ. संध्या शर्मा ने बताया कि इस स्वास्थ्य शिविर का उद्देश्य केवल उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों को स्वास्थ्य, स्वच्छता और रोगों के प्रति जागरूक करना भी है। वहीं वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने कहा कि उनका उद्देश्य ऐसे मरीजों को जीवनदान देना है, जो उपचार के अभाव में असमय दम तोड़ देते हैं।

शिविर के दौरान फिजिशियन, हड्डी रोग, स्त्री रोग, नेत्र रोग एवं सामान्य रोगों के विशेषज्ञों द्वारा 200 से अधिक मरीजों का निःशुल्क परीक्षण किया गया। साथ ही मरीजों की खून जांच भी बिना किसी शुल्क के की गई। जरूरतमंदों को निशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया। स्थानीय नागरिकों और मरीजों ने प्रेम हॉस्पिटल की इस मानवीय पहल का खुले दिल से स्वागत करते हुए इसे क्षेत्र के लिए एक बड़ी सौगात बताया। यह शिविर न केवल चिकित्सा सेवा का माध्यम बना, बल्कि समाज में सेवा और संवेदना की मजबूत मिसाल भी पेश कर गया।

एक नजर

ठंड के चलते जनपद के स्कूलों में आज रहेगा अवकाश

पथ प्रवाह, हरिद्वार। भारत मौसम विज्ञान विभाग, देहरादून द्वारा जारी जनपद स्तरीय मौसम चेतावनी को देखते हुए जिला प्रशासन ने हरिद्वार में एहतियाती कदम उठाए हैं। मौसम विभाग ने 14 जनवरी 2026 को जारी मौसम के पूर्वानुमान में जनपद हरिद्वार के मैदानी क्षेत्रों में 15 जनवरी को कहीं-कहीं घने कोहरे और शीतलहर की संभावना जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। छात्र-छात्राओं की स्वास्थ्य सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए जिला प्रशासन ने आदेश जारी कर जनपद हरिद्वार के समस्त निजी विद्यालयों (नर्सरी से कक्षा 12 तक) एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में 15 जनवरी 2026 का अवकाश घोषित किया है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि उक्त अवकाश अवधि के दौरान विद्यालय प्रबंधन छात्रहित में वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में ऑनलाइन माध्यम से शिक्षण कार्य संचालित कर सकते हैं। हालांकि किसी भी स्थिति में विद्यालय परिसरों में भौतिक रूप से शिक्षण कार्य नहीं किया जाएगा।जिला प्रशासन ने सभी तहसीलों और संबंधित विभागों को निर्देशित किया है कि आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। यदि कोई निजी विद्यालय या आंगनबाड़ी केंद्र आदेश की अवहेलना करता पाया गया, तो उसके विरुद्ध आपदा प्रबंधन अधिनियम-2005 की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत कठोर कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने अभिभावकों से भी अपील की है कि वे बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मौसम की गंभीरता को समझें और जारी निर्देशों का पालन करें। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

बीएचईएल नगर संपदा विभाग ने अपनी जमीन पर हुए अवैध कब्जे को हटवाया

पथ प्रवाह, हरिद्वार। बीएचईएल की भूमि पर अवैध रूप से अतिक्रमण कर किये जा रहे निर्माण को बुधवार को बीएचईएल प्रशासन की टीम ने नियमानुसार कार्रवाई करते हुए हटवा दिया। यह कार्यवाही नगर प्रशासक और बीएचईएल संपदा विभाग के अधिकारी संजय पंवार के निर्देशों के क्रम में की गई। इस दौरान नगर प्रशासन, बीएचईएल की सर्विलांस टीम और पुलिस बल मौजूद रहा। जानकारी के अनुसार बीएचईएल की भूमि पर अवैध निर्माण की सूचना मिलने पर बीती 1 जनवरी 2026 को नगर प्रशासन की टीम ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य रुकवा दिया था। इसके बाद निर्माणकर्ता को अतिक्रमण हटाने के लिए 7 दिन का नोटिस चस्पा किया था। तय समय सीमा में अतिक्रमण नहीं हटाए जाने पर 6 जनवरी को अंतिम नोटिस जारी किया गया। नोटिस की अवधि पूरी होने के बाद 14 जनवरी को नगर प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और अवैध निर्माण हटा दिया। निर्माण हटाने के ?बाद बीएचईएल भूमि की सीमा की स्पष्ट निशानदेही कर संबंधित पक्ष को जानकारी दी गई। भविष्य में दोबारा अतिक्रमण न करने की सख्त हिदायत भी दी गई।

गर्भवती महिलाओं को पोषण आहार के प्रति किया जागरूक

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जनपद में महिलाओं को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराये जाने के संबंध में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी के नेतृत्व में जनपद में तेजस्विनी टाक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिला कार्यक्रम अधिकारी बाल विकास धर्मवीर सिंह ने अवगत कराया है कि जिला कार्यक्रम अधिकारी ने अवगत कराया है कि जनपद में गर्भवती महिलाओ के पौष्टिक आहार उपलब्ध करने तथा महिलाओं के स्वास्थ में सुधार लाने के लिए मोटे अनाजों को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जागरूकता कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि उत्तराखंड सरकार द्वारा शुरू की गई यह योजना गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को लक्षित करती है। इसका उद्देश्य पोषण स्तर में सुधार करना है और इसके तहत आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के बीच कुपोषण, एनीमिया (खून की कमी) और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी को दूर करना, क्योंकि मोटे अनाज आयरन, कैल्शियम, प्रोटीन और फाइबर से भरपूर होते हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को पौष्टिक खाद्य पदार्थ जैसे मिलेट (मोटा अनाज), चना,ज्वार, बाजरा,रागी, कोदा, सामा, झिगोरा आदि प्रमुख अनाज है साथ ही उन्होंने महिलाओं को हरी सब्जियां लेने की भी सलाह दी। उन्होंने कहा कि जनपद में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में ग्रामीण महिलाओं को पौष्टिक आहार वितरित कर मोटे अनाज लेने की सलाह दी साथ ही बताया की गर्भवती महिलाओं को अपनी जांच समय-समय करानी चाहिए, जिससे उनका स्वास्थ्य ठीक रहे। महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान उचित खान पान पर ध्यान देने तथा गर्भवती महिलाओं के लिए चलाई जा रही लाभदायक योजनाएं की जानकारी दी गई।

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय में नए कुलपति प्रो. रमाकान्त पाण्डेय

पथ प्रवाह, हरिद्वार

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार के कुलपति पद पर नई नियुक्ति का औपचारिक आदेश जारी कर दिया गया है। शासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार, पूर्व में निर्गत अस्थायी/अंतरिम व्यवस्था से संबंधित आदेश संख्या-24077 23 अगस्त 2025 को अतिक्रमित करते हुए प्रो. रमाकान्त पाण्डेय को विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 1973 की धारा-12 की उपधारा (1) के अंतर्गत, चयन समिति द्वारा प्रस्तुत पैनल से की गई है।

आदेश के अनुसार प्रो. रमाकान्त पाण्डेय कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से आगामी तीन वर्षों की अवधि अथवा अग्रेत्तर आदेश तक, जो भी पहले हो, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार के कुलपति के रूप में अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। शासन के इस निर्णय को विश्वविद्यालय के शैक्षणिक, शोध एवं प्रशासनिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

प्रो. रमाकान्त पाण्डेय वर्तमान में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर (राजस्थान) में निदेशक के पद पर कार्यरत हैं। उनका जन्म 2 फरवरी 1965 को हुआ। वे एम.ए. (संस्कृत), पी-एच.डी. एवं डी.लिट्. जैसी उच्च शैक्षणिक उपाधियों से अलंकृत हैं। संस्कृत भाषा, साहित्य एवं संस्कृति के क्षेत्र में उनका योगदान अत्यंत व्यापक और बहुआयामी रहा है।

उन्हें 31 वर्षों से अधिक का अध्यापन एवं शोध अनुभव प्राप्त है, जबकि प्रोफेसर के रूप में वे 14 वर्षों से अधिक समय से सेवाएं दे रहे हैं। इसके साथ ही 15 वर्षों का समृद्ध प्रशासनिक अनुभव भी उनके खाते में है। वे दूरस्थ शिक्षा, मुक्तस्वाध्याय पीठ, संकाय डीन, परिसर निदेशक जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर चुके हैं। शोध एवं प्रकाशन के क्षेत्र में प्रो. पाण्डेय का योगदान उल्लेखनीय रहा है। उनकी 65 पुस्तकें, 150 से अधिक शोधपत्र एवं दर्जनों साहित्यिक लेख प्रकाशित हो चुके हैं। उन्होंने 25 शोधार्थियों को पी-एच.डी. उपाधि प्राप्त कराई है, जबकि अनेक शोधार्थी वर्तमान में उनके मार्गदर्शन में शोधरत हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन, पाठ्यक्रम निर्माण, नैक मूल्यांकन, मूक्स व ई-कंटेंट विकास जैसे क्षेत्रों में भी उनकी सक्रिय सहभागिता रही है।

उन्हें राज्यस्तरीय एवं राष्ट्रीय स्तर के 14 पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं तथा वे देश-विदेश में अनेक संगोष्ठियों और सम्मेलनों में विषय विशेषज्ञ एवं मुख्य वक्ता के रूप में भाग ले चुके हैं। प्रो. रमाकान्त पाण्डेय की कुलपति पद पर नियुक्ति से उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय के शैक्षणिक स्तर, शोध गुणवत्ता एवं राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय पहचान को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

आधार बनाने और अपडेट करने में अब नहीं होगी कोई परेशानी

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

जनपदवासियों को आधार अपडेट करने एवं बनाने में कोई असुविधा न हो इसके लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने सराहनीय पहल की है। जिलाधिकारी ने ई डिस्ट्रिक्ट मैनेजर को निर्देश दिए थे कि जनपद में संचालित हो रहे आधार केंद्रों की सूची जनपद की वेबसाइट पर https://haridwar.nic.in/service/aadhar-center/ अपलोड कर दें जिससे कि कोई भी आम जनमानस अपने नजदीकी सी एस सी सेंटर में जाकर अपना आधार अपडेट एवं तैयार कर सके।

ई डिस्ट्रिक्ट मैनेजर हरिद्वार अभिषेक चौहान ने अवगत कराया है कि जनपद वासियों

को अपने आधार बनाने एवं अपडेट करने एवं किसी भी संशोधन के लिए जिलाधिकारी के निर्देशन में जनपद में 138 सी एस सी सेंटर संचालित हो रहे है जिसमें कोई भी व्यक्ति इस वेबसाइट के माध्यम से https://haridwar.nic.in/service/aadhar-center/ संचालित सीएससी सेंटरों की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने अवगत कराया है कि CSC VLE द्वारा संचालित आधार केंद्रों का विवरणः 97, IT विभाग के आधार केंद्रों का विवरणः 3, WECD विभाग के आधार केंद्रों का विवरणः 20, डाकघर (Post Office) आधार केंद्रों का विवरणः 2, बैंकों के आधार केंद्रों का विवरणः 16, कुलः 138

आधार से संबंधित अन्य किसी जानकारी के लिए इस वेबसाइट पर क्लिक करे https://haridwar.nic.in/service/aadhar-center/

पुलिस कांस्टेबल के घर चोरी का खुलासा, चार शातिर चोर गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

थाना सिडकुल क्षेत्र में पुलिस कांस्टेबल के घर हुई नकबजनी की वारदात का पुलिस ने सफल खुलासा करते हुए चार शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से वाशिंग मशीन, लैपटॉप, एलईडी टीवी, इनवर्टर, बैटरी व नकदी सहित करीब ?1 लाख 75 हजार का चोरी का सामान बरामद किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 12 जनवरी 2026 को महेंद्र कुमार पुत्र मोहनलाल, निवासी बद्री विशाल पुरम कॉलोनी, गुसाई एनक्लेव, नवोदय नगर ने थाना सिडकुल में लिखित तहरीर दी थी। शिकायतकर्ता उत्तराखंड पुलिस में कांस्टेबल के पद पर कार्यरत है और ड्यूटी के कारण घर से बाहर था। इसी दौरान अज्ञात चोरों ने घर का ताला तोड़कर टीवी, वाशिंग मशीन, लैपटॉप, इनवर्टर सहित अन्य घरेलू सामान चोरी कर लिया। तहरीर के आधार पर थाना सिडकुल में मुकदमा अपराध संख्या 15/26, धारा 305(ए), 331(4) बीएनएस के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। घटना के खुलासे के लिए गठित पुलिस टीम ने मैनुअल पुलिसिंग और मुखबिर तंत्र के आधार पर 14 जनवरी

2026 को हर्षिता कॉलोनी से चार संदिग्धों को दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कुशल पाल (26), राकेश (28), भोले (39) और पवन (42), सभी निवासी ग्राम सदादपुर, थाना बढ़ापुर, जिला बिजनौर (उ.प्र.) के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने चोरी की वारदात स्वीकार की। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 317(2), 3(5) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई है। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, आरोपी राकेश और भोले के खिलाफ पौड़ी गढ़वाल, हरिद्वार और बिजनौर में चोरी, गैंगस्टर व गुंडा एक्ट सहित कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका

इस सफल कार्रवाई में थानाध्यक्ष नितेश शर्मा, वरिष्ठ उप निरीक्षक देवेंद्र तोमर, उप निरीक्षक बबलू चौहान, हेड कांस्टेबल जितेंद्र मलिक, संजय, देशराज तथा कांस्टेबल गजेंद्र, कुलदीप, कुलदीप डिमरी, हरि सिंह और रिपेंद्र शामिल रहे।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने दिये वनाग्नि रोकने के लिए मॉक ड्रिल से तैयारी परखने के निर्देश

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने जिला वनाग्नि सुरक्षा समिति की बैठक में वन अधि?कारियों से कहा कि वनाग्नि रोकने के लिए समय से अपनी तैयारी पूरी कर लें। इसके लिए उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वह समय से मॉक ड्रिल के माध्यम से तैयारियों को परखें। मां मनसा देवी और चंडी देवी मंदिर रास्ते पर एम्बुलेंस और फायर बिग्रेड की गाड़ी समय से पहुंचने के संबंध में विशेष रूप से तैयारी परखने के लिए कहा।

जनपद में वनाग्नि की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए वन विभाग और प्रशासन द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारी की जा रही है। डीएम ने बुधवार को कैंप कार्यालय में बैठक में संबंधित अधिकारियों को चंडी देवी एवं मनसा देवी मंदिर क्षेत्र में वनाग्नि की घटित होने वाली घटनाओं पर निरंतर निगरानी रखने के निर्देश

दिए। प्रभागीय वनाधिकारी को मंदिर समितियो को फायर सेफ्टी की ट्रेनिंग तथा फायर जैकेट, अग्निशमक इक्यूपमेंट की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए ताकि कोई भी वांग्नि की घटना घटित होने पर समय रहते नियंत्रण किया जा सके। अग्निशमक विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि चंडी देवी मंदिर एवं मनसा देवी मंदिर क्षेत्र के यातायात मार्ग पर फायर बिग्रेड की गाड़ी सहित एम्बुलेंस के द्वारा भी एक मॉक अभ्यास किया जाए जिससे आपातकालीन स्थिति में मंदिर तक पहुंचने में कोई परेशानी न हो। उन्होंने आपदा प्रबंधन अधिकारी से कहा कि आपदा मित्रों को ट्रेनिंग एवं वन अग्नि नियंत्रक संबंधित आवश्यक सामग्री उपलब्ध करायी जाए।

हरिद्वार वन प्रभाग के प्रभागीय वनाधिकारी स्वप्निल अनिरुद्ध ने बताया कि हरिद्वार जनपद के वनाग्नि की दृष्टि से संवेदनशील सभी क्षेत्रों में फायर ड्रिल की जा रही है। सड़क किनारे गिरे सूखे पत्ते को हटाया जा रहा है, ताकि आग की संभावना को कम किया जा सके। उन्होंने बताया कि यह कार्यवाही केवल मुख्य मार्गों तक सीमित नहीं है, बल्कि वन क्षेत्रों में भी विभाग की टीमें लगातार सक्रिय हैं। इसके अलावा वन विभाग की ओर से जागरुकता अभियानों के माध्यम से ग्रामीणों व स्थानीय लोगों को भी सतर्क किया जा रहा है, ताकि वे समय रहते वनाग्नि की घटनाओं को पहचान कर विभाग को सूचित करें। विभागीय टीम जंगलों में आग पर नियंत्रण के लिए सुसज्जित उपकरणों और संसाधनों के साथ तैयार हैं। वन विभाग का लक्ष्य इस वर्ष वनाग्नि की घटनाओं को शून्य तक सीमित करना है। वनाधिकारी ने लोगों से अपील की है कि वे वन क्षेत्रों में किसी भी प्रकार की आगजनी गतिविधियों से बचें और आग लगने की स्थिति में तत्काल वन विभाग या प्रशासन को सूचित करें, ताकि वनों की जैव विविधता व संपदा की रक्षा सुनिश्चित की जा सके।

बैठक में सीडीओ ललित नारायण मिश्रा, सीएमओ डॉ आर के सिंह, एसडीएम जितेंद्र कुमार, मुख्य शिक्षा अधिकारी आशुतोष भंडारी, एआरटीओ नेहा झा, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी मीरा रावत सहित अग्निशमन एवं राजाजी विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

एक नजर

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक—युवती की मौत

पथ प्रवाह, हरिद्वार। हरिद्वार-नजीबाबाद हाईवे पर बुधवार को श्यामपुर क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में बाइक सवार एक युवक और युवती की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उस ट्रक को पकड़ लिया है जिससे टकराकर यह हादसा हुआ। पुलिस के मुताबिक मृतकों की पहचान ब्रहमपुरी और कनखल निवासी के रूप में हुई है।

इस हादसे के बारे में प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि हादसा तेज गति की वजह से हुआ। बाइक सवार युवक और युवती एक अनियंत्रित ट्रक की चपेट में आ गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। युवती ब्रहमपुरी हरिद्वार और युवक कनखल का बताया गया है। मृतकों की उम्र करीब 20 से 25 वर्ष के बीच बताई गई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिये। पुलिस ने ट्रक को भी अपने कब्जे में ले लिया है। हादसे के बाद हाईवे पर कुछ देर के लिए यातायात भी प्रभावित रहा, जिसे बाद में सुचारू कर दिया गया। थाना पुलिस का कहना है कि घटना की जांच की जा रही है, परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

हरिद्वार में अब वाहनों में गार्बेज बैग रखना अनिवार्य

पथ प्रवाह, हरिद्वार। स्वच्छ हरिद्वार अभियान के अंतर्गत अब हरिद्वार में वाहनों में गार्बेज बैग रखना अनिवार्य किया गया है। वाहन चालकों से कहा गया कि यदि चेकिंग के दौरान उनके वाहनों गार्बेज बैग नहीं मिला तो उनके खिलाफ नियमानुसार चालान की कार्रवाई की जाएगी। हरिद्वार की सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी नेहा झा ने बताया कि डीएम मयूर दीक्षित के निर्देश पर जनपद हरिद्वार में स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए वाहनों में गार्बेज बैग रखने के लिए कहा गया है। सभी वाहन चालकों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया है कि वे अपने वाहनों में गार्बेज बैग अनिवार्य रूप से रखें। वाहन संचालन के दौरान किसी भी प्रकार का कचरा सड़क, सार्वजनिक स्थल अथवा खुले स्थानों पर न फेंके। यदि किसी वाहन चालक ने इस निर्देश का उल्लंघन किया तो उसके खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत प्रवर्तन कार्रवाई करते हुए जुर्माना किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जनपद में नियमित रूप से वाहनों में इसकी निगरानी की जाएगी।

शाहपुर शीतलाखेड़ा में जनता दरबार, डीएम व पूर्व कैबिनेट मंत्री रहेंगे मौजूद

पथ प्रवाह, हरिद्वार। क्षेत्रवासियों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत शाहपुर शीतला खेड़ा में जनता दरबार का आयोजन किया जा रहा है। यह जनता दरबार गुरुवार, 15 जनवरी 2026 को प्रातः 10 बजे रामलीला प्रांगण, पंचायत भवन शाहपुर शीतला खेड़ा के सामने आयोजित होगा।

जनता दरबार में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहेंगे, जो सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देंगे तथा आमजन की समस्याओं को सुनकर उनका तत्काल निस्तारण करेंगे। कार्यक्रम में हरिद्वार जनपद के जिलाधिकारी मयूर दीक्षित मुख्य रूप से मौजूद रहेंगे। वहीं मुख्य अतिथि के रूप में उत्तराखंड सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद जी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। इसके अतिरिक्त अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य अतिथि भी उपस्थित रहेंगे।

ग्राम पंचायत शाहपुर शीतला खेड़ा की ओर से क्षेत्र के समस्त नागरिकों से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में जनता दरबार में पहुंचकर अपनी समस्याएं रखें और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाए।

कैदियों और जरूरतमंदों को प्रेमनगर आश्रम द्वारा वितरित किये गए कम्बल और गरम वस्त्र

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

हरिद्वार सुप्रसिद्ध आध्यात्मिक एवं समाजसेवी संस्था श्री प्रेमनगर आश्रम द्वारा परम पूज्य सतपाल महाराज की प्रेरणा से जिला कारागार रोशनाबाद में कैदियों के लिए पर्याप्त कम्बल एवं बालकुंज सलेमपुर, हरिद्वार के जरूरतमंद बच्चों के लिए वस्त्र वितरण किया गया।

संस्था के प्रेरणास्रोत सतपाल महाराज की प्रेरणा से श्री प्रेमनगर आश्रम समय-समय पर अनेकों समाज सेवा का कार्य करता है। जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क राशन समाग्री, वस्त्र, कम्बल, फल, औषधि वितरण तथा रक्तदान शिविर निःशुल्क स्वास्थ परीक्षण आदि सेवा कार्य इस संस्था द्वारा किया जाता रहा है। कोरोना काल में कोरोना पीड़ितों को निःशुल्क औषधि भोजन राशन सामाग्री एवं आवास व्यवस्था जैसे सामाजिक सेवा कार्य किये गये दिनांक 14 जनवरी 2026, को मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में सामाजिक सेवा कार्य किये गये। कड़ाके की ठंड को देखते हुए श्री प्रेमनगर आश्रम, हरिद्वार के सहयोग से सचिव जिला विधिक

प्राधिकरण/सीनियर सिविल जज सिमरनजीत कौर एवं मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्रा ने जिला कारागार रोशनाबाद में कैदियों को कम्बल एवं बालकुंज सलेमपुर, हरिद्वार के बच्चों को जरूरत के वस्त्रों का वितरण किया गया। इस अवसर पर जेल अधीक्षक मनोज आर्य, शासकीय अधिवक्ता हरिद्वार विजयपाल सिंह, श्री प्रेमनगर आश्रम के महामंत्री महात्मा हरि सन्तोषानन्द, प्रबन्धक पवन कुमार, कैशियर हेमेन्द्र सिंह, वरिष्ठ कार्यकर्ता अनुज सिंह रावत, शंकर लाल शर्मा, नितिन कुमार सिंह, दीपक माहेश्वर, हरेन्द्र कुमार यादव, अभिनव शर्मा, राजकमल आर्या, गोपाल सैनी, सुशान्त पाल, जितेन्द्र, रविन शर्मा, ललित कुमार, कुमारी आरजू, पूजिता बाई, कुसुम, भागीरथी बाई, कांता बाई, जुगल किशोर, उदयवीर, अनिल आदि संस्था के कार्यकर्ता मौजूद थे।

कड़ाके के ठंड में भी निरंतर जारी है जनपद में सीएम का ड्रीम प्रोजेक्ट स्वच्छ धर्मनगरी

पथ प्रवाह, हरिद्वार। धर्म नगरी हरिद्वार को साफ, स्वच्छ और सुंदर जनपद बनाने के लिए जिलाधिकारी के निर्देशन में कड़ाके की ठंड में भी निरंतर सफाई अभियान चलाया जा रहा है। बुधवार को मकर संक्रांति के अवसर भी पूरे जनपद में जगह जगह यह अभियान जारी रहा। तीर्थ नगरी जनपद हरिद्वार को स्वच्छ सुंदर बनाने के लिए एक माह 27 दिन से निरंतर यह अभियान चलाया जा रहा है।

धर्मनगरी हरिद्वार को स्वच्छ,स्वच्छ एव सुंदर बनाए जाने के लिए मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुपालन में एवं जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में जनपद में एक माह 27 दिन से निरंतर सफाई अभियान चलाया जा रहा है। जिसकी जिलाधिकारी स्वयं निरंतर मॉनिटरिंग कर रहे है। जिलाधिकारी ने जनपद को साफ स्वच्छ बनाने के लिए नव वर्ष के अवसर पर महा सफाई अभियान शुरू किया। जिसमें सभी जनपदवासियों ओर धार्मिक संस्थाओं, व्यापार मंडलों, जनप्रतिनिधियों, गैर स्वयंसेवी संगठनों इस अभियान में पूर्ण सहयोग करने की अपील की गई है। इस माह अभियान से जुड़ते हुए अपने घर आंगन एवं आस पास क्षेत्र को साफ

सुथरा रखने तथा पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सभी के सहयोग की अपेक्षा की गई है, जिससे कि जनपद हरिद्वार को साफ ,स्वच्छ एवं सुंदर जनपद बनाया जा सके।

बीएचईएल नगर प्रशासक संजय पवार ने अवगत कराया कि नगर प्रशासन विभाग, बीएचईएल द्वारा शिवालिक नगर से सटे बीएचईएल चौराहा से लेकर चिन्मय चौराहा तक तथा चिन्मय डिग्री कॉलेज के सामने स्थित पीठ मार्केट के आसपास के क्षेत्र में सफाई कार्य किया गया है। खण्ड विकास अधिकारी खानपुर ने अवगत कराया कि ग्राम पंचायत मोहम्मदपुर मराना व गोरधनपुर क्षेत्रांतर्गत साफ़ सफाई का कार्य किया गया।

खण्ड विकास अधिकारी रूड़की ने अवगत कराया कि ग्राम पंचायत ताशीपुर क्षेत्रांतर्गत साफ़ सफाई का कार्य किया गया। खण्ड विकास अधिकारी बहादराबाद ने अवगत कराया कि ग्राम पंचायत धनपुरा क्षेत्रांतर्गत साफ़ सफाई का कार्य किया गया।

संपादकीय

निर्यात में उत्तराखंड की उड़ान: नीति, नेतृत्व और संभावनाओं की जीत

नीति आयोग की निर्यात तैयारी सूचकांक (Export Preparedness Inde& - EPI) 2024 में छोटे राज्यों की श्रेणी में उत्तराखंड का प्रथम स्थान प्राप्त करना केवल एक रैंकिंग नहीं, बल्कि राज्य की आर्थिक दिशा, नीतिगत स्पष्टता और प्रशासनिक प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह उपलब्धि ऐसे समय में सामने आई है, जब देश वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अपनी भूमिका मजबूत करने की दिशा में अग्रसर है और निर्यात को आर्थिक विकास का प्रमुख आधार माना जा रहा है।

निर्यात तैयारी सूचकांक राज्यों की नीतियों, बुनियादी ढांचे, कारोबारी माहौल, व्यापार सहयोग और निर्यात इकोसिस्टम का समग्र मूल्यांकन करता है। इस कसौटी पर उत्तराखंड का शीर्ष पर पहुंचना दर्शाता है कि राज्य ने सीमित भौगोलिक संसाधनों के बावजूद रणनीतिक सोच और प्रभावी क्रियान्वयन के बल पर अपनी अलग पहचान बनाई है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने बीते वर्षों में उद्योग-अनुकूल नीतियों, निवेश प्रोत्साहन, सिंगल विंडो सिस्टम, लॉजिस्टिक्स सुधार और एमएसएमई सेक्टर को मजबूती देने पर विशेष ध्यान दिया है। पर्वतीय राज्य होने के कारण उत्तराखंड को परिवहन और कनेक्टिविटी जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, लेकिन इन्हीं सीमाओं के बीच निर्यात क्षमता का विस्तार सरकार की दूरदृष्टि को दर्शाता है।

विशेष रूप से वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ODOP), जैविक उत्पाद, आयुष, फार्मा, खाद्य प्रसंस्करण और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों में राज्य की बढ़ती भागीदारी ने निर्यात को नई गति दी है। स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार से जोड़ने की रणनीति न केवल निर्यात बढ़ा रही है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और स्वरोजगार के अवसर भी सृजित कर रही है।

नीति आयोग की रिपोर्ट यह भी रेखांकित करती है कि निर्यात केवल विदेशी मुद्रा अर्जन का माध्यम नहीं, बल्कि वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में भागीदारी, तकनीकी उन्नयन और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ाने का जरिया है। इस दृष्टि से उत्तराखंड की उपलब्धि निवेशकों के लिए सकारात्मक संकेत है और राज्य को औद्योगिक विकास के नए पथ पर ले जाने वाली साबित हो सकती है।

हालांकि, इस सफलता के साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी है। अब आवश्यकता है कि इस रैंकिंग को स्थायी उपलब्धि में बदला जाए, निर्यात विविधीकरण पर ध्यान दिया जाए और छोटे उद्यमियों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार किया जाए।

कुल मिलाकर, निर्यात तैयारी सूचकांक 2024 में शीर्ष स्थान उत्तराखंड की नीतिगत परिपक्वता और प्रशासनिक संकल्प का प्रतीक है। यह उपलब्धि न केवल राज्य के लिए गर्व का विषय है, बल्कि यह संदेश भी देती है कि स्पष्ट नीति और मजबूत इच्छाशक्ति के साथ छोटे राज्य भी राष्ट्रीय आर्थिक मंच पर बड़ी भूमिका निभा सकते हैं।

भारतीय सेना: युद्धभूमि में अडिग, संकट में राष्ट्र का संबल

शक्ति, रणनीति और शहादत का संगम है भारतीय सेना

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष 15 जनवरी को भारतीय सेना दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष हम 78वां सेना दिवस मना रहे हैं। सेना दिवस के अवसर पर पूरा देश थलसेना के अदम्य साहस, जांबाज सैनिकों की वीरता, शौर्य और उसकी शहादत को याद करता है। इस विशेष अवसर पर जवानों के दस्ते और अलग-अलग रेजीमेंट की परेड के अलावा झांकियां भी निकाली जाती हैं और उन सभी बहादुर सेनानियों को सलामी दी जाती है, जिन्होंने देश और लोगों की सलामती के लिए अपना जीवन न्यौछावर कर दिया। 15 जनवरी को ही यह दिवस मनाए जाने का विशेष कारण यही है कि 1899 में कर्नाटक के कुर्ग में जन्मे लेफ्टिनेंट जनरल केएम करियप्पा आज ही के दिन वर्ष 1949 में भारतीय सेना के पहले कमांडर-इन-चीफ बने थे। उन्होंने 15 जनवरी 1949 को ब्रिटिश जनरल फ्रांसिस बुचर से भारतीय सेना की कमान संभाली थी। जनरल फ्रांसिस बुचर भारत के आखिरी ब्रिटिश कमांडर-इन-चीफ थे।1953 में वे भारतीय सेना से सेवानिवृत्त हुए और 94 वर्ष की आयु में 1993 में उनका निधन हुआ। केएम करियप्पा दूसरे ऐसे सेना अधिकारी थे, जिन्हें फील्ड मार्शल की उपाधि दी गई थी। भारतीय थल सेना का गठन ईस्ट इंडिया कम्पनी की सैन्य टुकड़ी के रूप में कोलकाता में 1776 में हुआ था, जो बाद में ब्रिटिश भारतीय सेना बनी और देश की आजादी के बाद इसे 'भारतीय थल सेना' नाम दिया गया। भारतीय सेना की 53 छावनियां और 9 आर्मी बेस हैं और चीन तथा अमेरिका के साथ भारतीय सेना दुनिया की तीन सबसे बड़ी सेनाओं में शामिल है। हमारी सेना संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों में सबसे बड़ी योगदानकर्ताओं में से एक है। यह दुनिया की कुछेक ऐसी सेनाओं में से एक है, जिसने कभी भी अपनी ओर से युद्ध की शुरूआत नहीं की। भारतीय सेना के ध्वज का बैकग्राउंड लाल रंग का है, ऊपर बायीं ओर तिरंगा झंडा, दायीं ओर भारत का राष्ट्रीय चिह्न और तलवार हैं। सेना दिवस के अवसर पर सेना प्रमुख को सलामी दी जाती रही है लेकिन 2020 में पहली बार सेना प्रमुख के स्थान पर देश के प्रथम सीडीएस बने जनरल बिपिन रावत को सलामी दी गई थी।

देश की आजादी के बाद भारतीय सेना पांच बड़े युद्ध लड़ चुकी है, जिनमें चार पाकिस्तान के खिलाफ और एक चीन के साथ लड़ा था। देश की आजादी के बाद 1947-48 में हुए भारत-पाक युद्ध को 'कश्मीर युद्ध' नाम से भी जाना जाता है, जिसके बाद कश्मीर का भारत में विलय हुआ था। 1962 में चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी द्वारा धोखे से थाग-ला-रिज पर भारतीय सेना पर हमला बोल दिया गया था। उस जमाने में भातीय सेना के पास स्वचालित और आधुनिक हथियार नहीं होते थे, इसलिए चीन को रणनीतिक बढ़त मिली थी। 1965 के भारत-पाक युद्ध के बाद 1971 में भारतीय सेना ने पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी थी। 13 दिनों तक चले उस युद्ध के बाद ही पाकिस्तान के टुकड़े कर बांग्लादेश का जन्म हुआ और पाकिस्तानी जनरल नियाजी के साथ 90 हजार पाक सैनिकों ने जांबाज भारतीय सेना के समक्ष हथियार डाल दिए थे। मई से जुलाई 1999 तक चले कारगिल युद्ध में तो भारतीय सेना ने पाकिस्तान को छठी का दूध याद दिला दिया था। आज पूरी दुनिया भारतीय सेना का लोहा मानती है। आधुनिक हथियारों और प्रौद्योगिकी के साथ भारतीय सेना एक विश्वस्तरीय सेना है। सेना दिवस के महत्वपूर्ण अवसर पर चीन द्वारा वर्तमान में लगातार पेश की जा रही चुनौतियों के दौर में भारतीय सेना की निरन्तर बढ़ती ताकत का उल्लेख करना बेहद जरूरी है। 2025 की 'ग्लोबल फायरपावर रिपोर्ट' के अनुसार भारतीय सेना की गिनती दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सेनाओं में की जाती है। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय थल सेना के जखीरे में कई तरह के आधुनिक हथियार शामिल हैं, जिनमें आधुनिक टैंकों के साथ बैलिस्टिक मिसाइलें भी हैं। भारत की थल सेना के पास चार हजार से अधिक टैंक हैं। इसके अलावा भारतीय सेना के जखीरे में एक लाख से अधिक आर्म्ड व्हीकल भी शामिल हैं। थल सेना के पास 100 सेल्फ प्रोपेल्ड आर्टिलरी, 3300 हल्की आर्टिलरी भी हैं तथा थल सेना के बेड़े में करीब 1500 रॉकेट आर्टिलरी भी शामिल हैं। भारतीय सैन्यबल में 14.45 लाख सक्रिय सैन्यकर्मी हैं, जो दुनिया में दूसरे नंबर पर है। सेना में 12 लाख से ज्यादा आरक्षित बल तथा बीस लाख अर्धसैनिक बल हैं। भारतीय थलसेना में 4600 से ज्यादा टैंक टी-72, टी-90, अर्जुन एमके-1, अर्जुन एमके-2 इत्यादि टैंक, 5 हजार से ज्यादा तोपें, 290 स्वचालित तोपें, 290 से ज्यादा रॉकेट तोपें तथा 8600 बख्तरबंद वाहन शमिल हैं। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय थलसेना हर परिस्थिति में चीनी सेना से बेहतर और अनुभवी है, जिसके पास युद्ध का बड़ा अनुभव है, जो कि विश्व में शायद ही किसी अन्य देश के पास हो। भले ही चीन के पास भारत से ज्यादा बड़ी सेना और सैन्य साजो-सामान है लेकिन आज के परिप्रेक्ष्य में दुनिया में किसी के लिए भी इस तथ्य को नजरअंदाज करना संभव नहीं हो सकता कि भारत की सेना को अब धरती पर दुनिया की सबसे खतरनाक सेना माना जाता है और सेना के विभिन्न अंगों के पास ऐसे-ऐसे खतरनाक हथियार हैं, जो चीनी सेना के पास भी नहीं हैं। धरती पर लड़ी जाने वाली लड़ाईयों के लिए भारतीय सेना की गिनती दुनिया की सर्वश्रेष्ठ सेनाओं में होती है और कहा जाता है कि अगर किसी सेना में अंग्रेज अधिकारी, अमेरिकी हथियार और भारतीय सैनिक हों तो उस सेना को युद्ध के मैदान में हराना असंभव होगा।

जल, नभ, धरा पर दहाड़ता भारतीय सेनाओं का महाशौर्य

स्वदेशी हथियारों की गर्जना जो दुश्मन की नसों में भरती भय

नीलेश वर्मा

हमारा देश आज केवल भौगोलिक सीमाओं की रक्षा करने वाला राष्ट्र नहीं, बल्कि जल, नभ और धरा तीनों आयामों में संतुलित शक्ति का प्रदर्शन करने वाला एक सशक्त राष्ट्र बन चुका है। तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत ने युद्ध स्वरूप और पारंपरिक सीमाओं से आगे निकलकर साइबर, अंतरिक्ष और ड्रोन युद्ध में महारत हाशिल कर ली है। भारत ने अपने सैन्य सिद्धांत को 'संयम के साथ सामर्थ्य' के सूत्र में ढाला है। यही कारण है कि भारत शांति का पक्षधर रहते हुए भी दुश्मन की प्रत्येक चुनौती का उत्तर देने में सक्षम और निर्णायक दिखाई देता है, जो किसी को छेड़ता नहीं और छेड़े तो छोड़ता नहीं, घर में घुसकर मारता है। भारतीयों की सुरक्षा देश की सर्वोपरि प्राथमिकता है, इसलिए देश की थलसेना, नौसेना और वायुसेना तीनों के बीच समन्वय अब केवल अभ्यास नहीं, बल्कि रणनीतिक आवश्यकता बन चुका है। सीमाओं पर आधुनिक निगरानी प्रणालियाँ, नेटवर्क-केंद्रित युद्ध प्रणाली, रियल-टाइम इंटेलिजेंस शेयरिंग और सटीक प्रहार क्षमता ने भारत की प्रतिरोधक शक्ति को कई गुना बढ़ाया है। पर्वतीय क्षेत्रों में त्वरित तैनाती, समुद्री मार्गों की सुरक्षा और वायु-आधारित त्वरित प्रतिक्रिया द्वारा तीनों मोर्चों पर भारत की तैयारी स्पष्ट संदेश देती है कि किसी भी दुस्साहस का उत्तर तत्काल और प्रभावी होगा। भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा केवल हथियारों से नहीं, बल्कि नीति, कूटनीति और जन-विश्वास से भी सुदृढ़ होती है। भारत ने हाल के वर्षों में सीमाओं की सुरक्षा के साथ-साथ रक्षा ढाँचे में सुधार, संयुक्त कमान की दिशा में पहल और मित्र देशों के साथ रणनीतिक सहयोग को बढ़ाया है। आतंकवाद, सीमापार घुसपैठ और समुद्री डकैती जैसे खतरों के प्रति 'शून्य सहनशीलता' की नीति ने भारत की सुरक्षा-विश्वसनीयता को मजबूत किया है। यह स्पष्ट है कि भारत युद्ध नहीं चाहता, पर यदि युद्ध थोपा गया, तो उसका उत्तर निर्णायक होगा। जिसका तत्कालीक उदाहरण ऑपरेशन सिंदूर है, जिसमें पाकिस्तान द्वारा देश के कई शहरों को लक्ष्यं बनाया गया, लेकिन हमारे सैनिकों और सैन्य प्रणालियों की क्षमता ने उसके नापाक मंसूबों पर पानी फेर दिया। भारत की सैन्य शक्ति का सबसे बड़ा आधार उसकी स्वदेशी रक्षा तकनीक है। डीआरडीओ के नेतृत्व में विकसित अग्नि और पृथ्वी जैसी मिसाइलें, ब्रह्मोस एयरोस्पेस की ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज़ मिसाइल, स्वदेशी तेजस लड़ाकू विमान, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा निर्मित ध्रुव हेलिकॉप्टर, आधुनिक आकाश वायु-रक्षा प्रणाली और स्वदेशी अरिहंत श्रेणी की परमाणु पनडुब्बी बनाई गई हैं। ये सभी भारत की आत्मनिर्भर रक्षा क्षमता के सशक्त उदाहरण हैं। इसके साथ ही, मेक-इन-इंडिया पहल के अंतर्गत ड्रोन, रडार, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम और उन्नत तोपखाने का स्वदेशी निर्माण भारत को तकनीकी निर्भरता से मुक्त कर रहा है। हमारे सैनिकों का शौर्य केवल हथियारों से नहीं, बल्कि राष्ट्र के विश्वास से जन्म लेता है। सीमाओं पर तैनात जवान जब यह जानते हैं कि देश उनके साथ खड़ा है और उनकी सुरक्षा के लिए उन्नत तकनीक, राष्ट्रीय नीति और संसाधन उपलब्ध हैं, तब उनका मनोबल अडिग रहता है। यही मनोबल भारत की वास्तविक शक्ति है। जल में नौसेना की चौकसी, नभ में वायुसेना की सतत गश्त और धरा पर थलसेना की अडिग उपस्थिति एक संकल्प के साथ त्रिआयामी सजगता राष्ट्र को सुरक्षित रखती है। भारतीय शौर्य की दहाड़ आक्रामकता का नहीं, सक्षम संयम का प्रतीक है, जिसका स्पष्ट संदेश है कि भारत शांति चाहता है, लेकिन अपनी संप्रभुता, नागरिकों की सुरक्षा और सीमाओं की रक्षा के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं कर सकता।

अनुशासन, त्याग और पराक्रम का उत्सव-भारतीय थल सेना दिवस

सुनील कुमार महला

हर वर्ष 15 जनवरी को भारतीय थल सेना दिवस (इंडियन आर्मी डे) मनाया जाता है। वास्तव में, यह दिन भारतीय सेना के गौरव, शौर्य, अनुशासन और उन वीर जवानों के सर्वोच्च बलिदान को समर्पित है, जो देश की सीमाओं पर खड़े होकर राष्ट्र की रक्षा करते हैं। यह केवल एक उत्सव मात्र नहीं है, बल्कि यह भारतीय सैन्य इतिहास के एक निर्णायक क्षण की स्मृति भी है।दरअसल, 15 जनवरी 1949 को लेफ्टिनेंट जनरल के.एम.करिअप्पा ने भारत के पहले भारतीय सेनाध्यक्ष (प्रथम भारतीय कमांडर-इन-चीफ) के रूप में कार्यभार संभाला था। उस समय ब्रिटिश जनरल फ्रांसिस बुचर ने उन्हें औपचारिक रूप से यह पद सौंपा था। यह क्षण भारत की सैन्य संप्रभुता, आत्मनिर्भरता और औपनिवेशिक विरासत से मुक्ति का प्रतीक माना जाता है। बाद में, वर्ष 1986 में के. एम. करिअप्पा को उनके अतुलनीय योगदान के लिए फील्ड मार्शल की मानद उपाधि प्रदान की गई।स्वतंत्रता के बाद प्रारंभ में सेना दिवस 1 अप्रैल को मनाने का विचार किया गया था, किंतु ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए 15 जनवरी की तिथि को स्थायी रूप से निर्धारित किया गया। शुरुआती वर्षों में सेना दिवस के कार्यक्रम सीमित रूप से विभिन्न सैन्य छावनियों में आयोजित होते थे, जबकि भव्य सार्वजनिक परेड और औपचारिक समारोहों की परंपरा बाद के वर्षों में विकसित हुई।आज सेना दिवस के अवसर पर दिल्ली या चयनित शहरों के परेड ग्राउंड में शानदार सैन्य परेड आयोजित की जाती है तथा इसमें सेना अपने आधुनिक हथियारों, टैंकों, मिसाइलों, राडार प्रणालियों और युद्ध कौशल का प्रदर्शन करती है। इसके साथ ही वीरता पुरस्कार, जैसे सेना मेडल, भी प्रदान किए जाते हैं। यह दिन नई सैन्य तकनीकों, युद्ध अभ्यासों और रेजिमेंटल परंपराओं की औपचारिक शुरुआत का भी साक्षी बनता है। पाठकों को बताता चलूं कि भारतीय थल सेना विश्व की सबसे बड़ी स्वैच्छिक (वॉलंटरी) सेना मानी जाती है, जहाँ सैनिकों की भर्ती पूरी तरह स्वेच्छा से होती है और किसी भी प्रकार की जबरन भर्ती की व्यवस्था नहीं है। सैनिकों की संख्या के लिहाज़ से यह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी सक्रिय थल सेना है, जिसमें लगभग 14.5 लाख (1.45 मिलियन) से अधिक सक्रिय सैनिक कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त 11-12 लाख रिज़र्व सैनिक तथा लगभग 25 लाख अर्धसैनिक बल भी भारत की सुरक्षा व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा हैं। नवम्बर 2025 में ऑस्ट्रेलिया के प्रतिष्ठित लोवी इंस्टीट्यूट ने एशिया पॉवर इंडेक्स जारी किया जिसमें भारत को अमेरिका और चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी सैन्य शक्ति घोषित किया है।भारतीय सेना का मुख्य दायित्व देश की स्थल सीमाओं की रक्षा, आंतरिक सुरक्षा बनाए रखना, आतंकवाद व उग्रवाद से मुकाबला करना तथा आपदा के समय नागरिकों की सहायता करना है। यह सेना दुनिया के सबसे कठिन और ऊँचे युद्धक्षेत्र सियाचिन ग्लेशियर की रक्षा करती है, जो समुद्र तल से लगभग 5000 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है, जहाँ अत्यंत विषम जलवायु परिस्थितियों में भी सैनिक निरंतर तैनात रहते हैं। इसके अतिरिक्त रेगिस्तान, घने जंगलों और ऊँचे पर्वतीय क्षेत्रों में भी भारतीय सेना प्रभावी रूप से कार्य करती है। वैश्विक स्तर पर भारतीय थल सेना अपनी रणनीतिक क्षमता, अनुशासन और युद्ध अनुभव के लिए जानी जाती है। संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में भारत का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है और भारत उन देशों में शामिल है, जिन्होंने सबसे अधिक सैनिक यूएन पीसकीपिंग ऑपरेशंस में भेजे हैं। ग्लोबल फायरपावर इंडेक्स के अनुसार भारत दुनिया की चौथी सबसे शक्तिशाली सैन्य शक्ति है, जिसमें केवल अमेरिका, रूस और चीन भारत से आगे हैं। गौरतलब है कि भारतीय सेना की सर्वोच्च कमान देश के राष्ट्रपति के पास होती है, जो संविधान के अनुसार इसके सर्वोच्च कमांडर होते हैं। सेना की इंजीनियरिंग दक्षता का उत्कृष्ट उदाहरण लद्दाख के द्रास और सुरु नदियों के बीच निर्मित बेली ब्रिज है, जिसे अगस्त 1982 में सेना ने बनाया था और जिसे विश्व के सबसे ऊँचे पुलों में गिना जाता है।

भारतीय थल सेना का आदर्श वाक्य 'सेवा परमो धर्मः' है, जिसका अर्थ है-सेवा ही सर्वोच्च धर्म है। यही वाक्य सेना के कर्तव्यबोध, निस्वार्थ सेवा, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति पूर्ण समर्पण का मूल आधार है। 'सर्विस बिफोर सेल्फ' सेना की कार्यसंस्कृति का अभिन्न हिस्सा है, जिसे हर सैनिक प्रशिक्षण और व्यवहार में आत्मसात करता है। हाल के वर्षों में सेना दिवस समारोहों में महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व को भी विशेष रूप से रेखांकित किया जाने लगा है। गौरतलब है इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में भारत अपना 78वाँ सेना दिवस मना रहा है, जिसकी मुख्य परेड जयपुर (राजस्थान) में आयोजित की जा रही है। अब परंपरा यह बन चुकी है कि परेड दिल्ली से बाहर विभिन्न शहरों में आयोजित की जाए, ताकि सेना और जनता के बीच जुड़ाव और अधिक सशक्त हो। उल्लेखनीय है कि हर वर्ष सेना दिवस की एक विशेष थीम भी निर्धारित की जाती है। वर्ष 2025 की थीम थी-'समर्थ भारत, सक्षम सेना', और उसी वर्ष भारत सरकार ने 'रक्षा सुधारों का वर्ष' घोषित किया था, जिसका उद्देश्य थिएटर कमांडों का एकीकरण, तीनों सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल तथा स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को बढ़ावा देना था। वर्ष 2026 के लिए सेना का मुख्य फोकस 'नेटवर्किंग और डेटा-केंद्रितता का वर्ष' रखा गया है, जो आधुनिक तकनीक और डिजिटल एकीकरण पर आधारित है। इस बार परेड में सेना की पशु टुकड़ी (एनिमल कंटीजेंट)-जैसे जांस्कर घोड़े(लद्दाख के जांस्कर क्षेत्र में पाए जाने वाले एक विशेष स्थानीय पर्वतीय घोड़े की नस्ल), ऊँट और खोजी कुत्ते-को भी विशेष महत्व दिया जा रहा है।

निष्कर्षतः, हम यहां पर यह बात कह सकते हैं कि भारतीय थल सेना शौर्य, समर्पण और राष्ट्रभक्ति का जीवंत प्रतीक है। सेना दिवस केवल एक तिथि नहीं, बल्कि भारतीय शौर्य की उस अखंड परंपरा का उत्सव है, जो 'सेवा परमो धर्मः' के संकल्प पर टिकी है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हमारी सुरक्षित और शांतिपूर्ण नींद उन जवानों के बलिदानों की ऋणी है, जो सरहद की चौखट पर हर पल प्रहरी बनकर खड़े रहते हैं।

उत्तराखंड बनेगा देश का 'नेचुरल हीलिंग डेस्टिनेशन', वेलनेस व एडवेंचर टूरिज्म: सीएम पुष्कर धामी

पथ प्रवाह, उत्तरकाशी

शीतकालीन चारधाम यात्रा एवं पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा स्थानीय लोगों को वर्षभर रोजगार से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत तीन दिवसीय विंटर टूरिज्म कॉनक्लेव का शुभारंभ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया। इस कॉनक्लेव का उद्देश्य उत्तराखंड को केवल मौसमी नहीं, बल्कि वर्षभर सक्रिय पर्यटन राज्य के रूप में स्थापित करना है।

कॉनक्लेव में एसोसिएशन ऑफ डोमेस्टिक टूर ऑपरेटर्स ऑफ इंडिया के सहयोग से देश के विभिन्न राज्यों से आए 50 टूर ऑपरेटर्स ने प्रतिभाग किया। इसके अतिरिक्त राज्य स्तर से 50 और स्थानीय स्तर से भी 50 टूर ऑपरेटर्स ने सहभागिता की। कार्यक्रम में होटल एसोसिएशन उत्तरकाशी एवं बड़कोट, ट्रैकिंग संगठन उत्तरकाशी तथा सांकरी के पंजीकृत प्रतिनिधियों की भी सक्रिय भागीदारी रही।

निम में आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से शीतकालीन पर्यटन की व्यापक संभावनाओं पर मंथन किया गया और उत्तराखंड को 12 महीने का पर्यटन गंतव्य बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

तीन दिवसीय विंटर टूरिज्म कॉनक्लेव के तहत देशभर से आए टूर ऑपरेटर्स मां गंगा के शीतकालीन प्रवास स्थल मुखबा, मां यमुना के शीतकालीन प्रवास स्थल खरसाली, तथा सांकरी में केदारकांठा ट्रैक के बेस कैंप का भ्रमण करेंगे, जिससे शीतकालीन पर्यटन को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी।

कॉनक्लेव को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि शीतकालीन पर्यटन सम्मेलन केवल एक औपचारिक संवाद नहीं, बल्कि उत्तराखंड के पर्यटन को नई दिशा देने का एक साझा प्रयास है। उन्होंने टूर ऑपरेटर्स, ट्रैवल एजेंट्स, होटल व्यवसायियों, होमस्टे संचालकों, टैक्सी एवं ट्रांसपोर्ट यूनियनों तथा एडवेंचर टूरिज्म से जुड़े सभी हितधारकों का स्वागत करते हुए कहा कि पर्यटन के भविष्य को आकार देने में उनकी भूमिका सबसे अहम है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि आज देश के बड़े शहर प्रदूषण, बढ़ते तापमान, ट्रैफिक और मानसिक तनाव से जूझ रहे हैं। ऐसे समय में उत्तराखंड देश का एक 'नेचुरल हीलिंग डेस्टिनेशन' बन सकता है। उन्होंने कहा कि अब उत्तराखंड केवल चारधाम यात्रा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह वेलनेस, नेचर, एडवेंचर, संस्कृति, योग, मेडिटेशन और सस्टेनेबल टूरिज्म का प्रमुख केंद्र बनने की ओर अग्रसर है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि किसी भी डेस्टिनेशन को ट्रेंड और ब्रांड बनाना आपके हाथ में है। अब समय आ गया है कि उत्तराखंड को केवल 4 या 6 महीने का नहीं, बल्कि 12 महीने का टूरिज्म स्टेट बनाया जाए। सरकार की शीतकालीन पर्यटन नीति का मूल उद्देश्य यह है कि पहाड़ खाली न रहें, होटल बंद न हों, टैक्सियां खड़ी न रहें, होमस्टे सूने न रहें और युवाओं को रोजगार के लिए पलायन न करना पड़े। वर्षभर पर्यटन सक्रिय रहने से राज्य की आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन से जुड़े सभी हितधारकों को सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग दिया जाएगा। चाहे परमिशन हो, कनेक्टिविटी, इंफ्रास्ट्रक्चर या मार्केटिंग सपोर्ट–सरकार हर स्तर पर आपके साथ खड़ी है। पर्यटन विभाग के माध्यम से सिंगल विंडो सिस्टम, डिजिटल अप्रूवल और निवेशकों के लिए फास्ट-ट्रैक सपोर्ट को और अधिक मजबूत किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि पर्यटन का वास्तविक अर्थ केवल बड़े होटल या रिसॉर्ट नहीं है, बल्कि जब गांव की महिला का होमस्टे भरे, स्थानीय युवा टैक्सी चलाएं, पहाड़ी युवक ट्रेकिंग गाइड बनें, लोक कलाकारों को मंच मिले और किसान के उत्पाद सीधे पर्यटक तक पहुंचें– तभी पर्यटन सार्थक होगा। इसी उद्देश्य से सरकार ने होमस्टे नीति को सरल बनाया है, लखपति दीदी योजना के माध्यम से महिलाओं को जोड़ा है, लोकल गाइड ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू किए हैं और 'वोकल फॉर लोकल' को पर्यटन से जोड़ा है। पर्यावरण और संस्कृति पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार विकास चाहती है, लेकिन विनाश की कीमत पर नहीं। पर्यावरण संरक्षण, स्थानीय संस्कृति की रक्षा और गांव के अंतिम व्यक्ति को पर्यटन से जोड़ना ही सरकार का रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म मॉडल है। उन्होंने टूर ऑपरेटर्स से आग्रह किया कि वे अपने पर्यटन पैकेजों में उत्तरकाशी, हर्षिल, मुखबा, नेलांग, चमोली, औली, मुनस्यारी, पिथौरागढ़, चम्पावत, टिहरी, पौड़ी, रुद्रप्रयाग और सीमांत गांवों को शामिल करें। मुख्यमंत्री ने कहा, आप पैकेज बनाइए, सरकार आपके साथ खड़ी है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने युवाओं और निवेशकों को कहा कि उत्तराखंड निवेश के लिए पूरी तरह तैयार है, क्योंकि यहां पर्यटन केवल व्यवसाय नहीं, बल्कि रोजगार का सबसे बड़ा इंजन है। होटल मालिक, होमस्टे संचालक, टैक्सी चालक और ट्रैवल एजेंट– सभी को काम मिले और हर गांव को पहचान मिले, यही सरकार का संकल्प है।

इस अवसर पर गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान, पुरोला विधायक दुर्गेश्वर लाल, दर्जा राज्य मंत्री रामसुंदर नौटियाल, जगत सिंह चौहान, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. स्वराज विद्वान, प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान, गढ़वाल समन्वयक किशोर भट्ट, जिलाध्यक्ष भाजपा नागेंद्र चौहान, पूर्व विधायक विजयपाल सजवाण, जिलाधिकारी प्रशांत आर्य, पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय, मुख्य विकास अधिकारी जयभारत सिंह, रजिस्ट्रार निम विशाल रंजन, जिला पर्यटन विकास अधिकारी केके जोशी सहित अनेक अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

एक नजर

हरिद्वार ने 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' अभियान में जनसमस्याओं का किया सर्वाधिक त्वरित समाधान

पथ प्रवाह,देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों पर संचालित 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' कार्यक्रम प्रदेश में शासन और जनता के बीच प्रभावी सेतु बनकर उभर रहा है। यह अभियान आमजन की समस्याओं को सीधे सुनने और उनके त्वरित निस्तारण का सशक्त माध्यम सिद्ध हो रहा है। संबंधित विभागों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 14 जनवरी 2026 तक प्रदेश के 13 जनपदों में कुल 328 शिविर आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें आज दो नए कैम्प लगाए गए। इन शिविरों में अब तक 2,54,137 नागरिकों ने सहभागिता की, जबकि आज के दिन 2,730 लोगों ने अपनी समस्याएं दर्ज कराई। अधिकारियों ने बताया कि शिविरों के माध्यम से कुल 26,814 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 92 आवेदन आज प्राप्त किए गए। इनमें 18,166 प्रकरण शिकायत श्रेणी के हैं, जबकि आज 43 नई शिकायतें दर्ज की गईं। निस्तारण की स्थिति पर नजर डालें तो अब तक 36,753 प्रार्थना पत्रों का समाधान किया जा चुका है। आज के दिन 71 मामलों का निस्तारण किया गया। इसके अतिरिक्त, विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं के माध्यम से 1,38,011 नागरिकों को लाभान्वित किया गया है, जिनमें 370 लाभार्थी आज शामिल हुए।

जनपदवार आंकड़ों के अनुसार, हरिद्वार जनपद में सर्वाधिक 52,930 नागरिकों की सहभागिता दर्ज की गई, जहां 10,846 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। देहरादून में 35,893 नागरिकों ने शिविरों में भाग लिया। वहीं अल्मोड़ा में 31,741, उधम सिंह नगर में 25,193, उत्तरकाशी में 20,059 तथा नैनीताल, पिथौरागढ़ और चमोली सहित अन्य जनपदों में भी बड़ी संख्या में जनसमस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' सरकार की संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जवाबदेही का प्रतीक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित शिकायतों के निस्तारण में और तेजी लाई जाए तथा समाधान की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि यह अभियान आगे भी जनता को राहत प्रदान करता रहेगा।

थाईलैंड में ट्रेन दुर्घटना, 22 लोगों की मौत, 55 घायल

बैंकॉक। थाईलैंड के नखोन रत्चासिमा प्रांत में बुधवार को यात्री ट्रेन के क्रेन से टकरा जाने से कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई और 55 अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार दुर्घटना स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 09:05 बजे उस समय हुई, जब बैंकॉक से उबोन रत्चाथानी जा रही यात्री ट्रेन निर्माण कार्य में लगी क्रेन से टक्कर के बाद पटरी से उतर गयी। आपातकालीन बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचे और 'हाइड्रोलिक कटिंग टूल' का इस्तेमाल कर मलबे में फंसे यात्रियों को बाहर निकालना शुरू कर दिया। घायल यात्रियों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पतालों में पहुंचा दिया गया है।

थाईलैंड के उप प्रधानमंत्री और परिवहन मंत्री पिपहत रचलाकितप्रकार्ण ने कहा कि उन्होंने एजेंसियों को पारदर्शी एवं व्यापक जांच करने के निर्देश दिए हैं ताकि दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा सके तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

भूमि विवादों के निस्तारण हेतु पुलिस का एक माह का विशेष अभियान

पथ प्रवाह, देहरादून।

राज्य में लंबे समय से लंबित भूमि संबंधी विवादों के त्वरित, प्रभावी और पारदर्शी समाधान को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सख्त रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रदेशभर में भूमि विवादों के निस्तारण के लिए एक माह का विशेष एवं सघन अभियान चलाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव आनंद बर्धन तथा पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ को निर्देश दिए हैं कि सभी जनपदों में लंबित भूमि विवादों की सूची तैयार कर निर्धारित समय-सीमा के भीतर उनका निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा है कि इस अभियान के अंत तक भूमि विवादों से जुड़े लंबित मामलों को शून्य स्तर पर लाने का लक्ष्य रखा जाए।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि भूमि विवाद आम नागरिकों की रोजमर्रा की समस्याओं से सीधे जुड़े होते हैं। ऐसे विवाद न केवल लोगों को मानसिक और आर्थिक रूप से परेशान करते हैं, बल्कि कई बार कानून-व्यवस्था और सामाजिक सौहार्द को भी प्रभावित करते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि इन मामलों का त्वरित, न्यायसंगत और पारदर्शी समाधान हो, ताकि जनता को अनावश्यक भागदौड़ और तनाव से मुक्ति मिल सके।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अभियान के दौरान संवेदनशील और जटिल मामलों पर विशेष सतर्कता बरती जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही या टालमटोल को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि समाधान प्रक्रिया के दौरान जनहित सर्वोपरि रखा जाए और किसी भी प्रकार के दबाव या प्रभाव में आकर निर्णय न लिया जाए।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के निर्देशानुसार इस विशेष अभियान की प्रगति की नियमित समीक्षा की जाएगी। मुख्य सचिव आनंद बर्धन ने प्रत्येक सप्ताह अभियान की प्रगति की समीक्षा की जाएगी, ताकि समय-सीमा के भीतर निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित हो सके। समीक्षा के दौरान यदि किसी स्तर पर बाधाएं सामने आती हैं तो उनके त्वरित समाधान के लिए सुधारात्मक कदम भी उठाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि आवश्यकता पड़ने पर तहसील स्तर पर उप जिलाधिकारी (एसडीएम) की अध्यक्षता में विशेष समितियों का गठन किया जाए। इन समितियों में संबंधित क्षेत्राधिकारी (सीओ) पुलिस, राजस्व एवं चकबंदी विभाग के अधिकारियों को सदस्य के रूप में शामिल किया जाएगा। इससे प्रशासनिक, राजस्व और पुलिस विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा और विवादों का प्रभावी व स्थायी समाधान संभव हो सकेगा।

नगरायुक्त नंदन कुमार की सराहनीय पहल से वेस्ट टू वंडर पार्क और स्मार्ट ट्रांसफर स्टेशन की दिशा में बढ़ता नगर निगम

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

नगरायुक्त आईएएस नंदन कुमार ने भगत सिंह चौक के निकट स्थित नगर निगम के ट्रांसफर स्टेशन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त द्वारा शहर की स्वच्छता व्यवस्था एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की गहन समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के समय यह अवगत कराया गया कि नगर निगम हरिद्वार क्षेत्र अंतर्गत घर-घर ठोस अपशिष्ट संग्रहण का कार्य नियमित रूप से किया जा रहा है। कई वार्डों की संकरी गलियों में संग्रहण वाहन नहीं जा पाने की स्थिति में वहां से एकत्रित ठोस अपशिष्ट को भगत सिंह चौक स्थित ट्रांसफर स्टेशन पर लाकर सुव्यवस्थित एवं वैज्ञानिक तरीके से प्रबंधन किया जाता है। आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण को ध्यान में रखते हुए ट्रांसफर स्टेशन को और अधिक व्यवस्थित किया जा रहा है। नगर निगम द्वारा विभिन्न वार्डों में चिन्हित गार्बेज वल्नरेबल प्वाइंट्स (GVP) को निरंतर कम करने की कार्यवाही की जा रही है, जिससे शहर में अनियंत्रित ठोस अपशिष्ट जमा होने

की समस्या पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके। निरीक्षण के दौरान यह भी जानकारी दी गई कि आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर रैंकिंग प्राप्त करने के उद्देश्य से भगत सिंह चौक के समीप स्थित ट्रांसफर स्टेशन के निकट वेस्ट टू वंडर पार्क विकसित किए जाने की कार्यवाही भी गतिमान है। नगर निगम द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु नियोजित कार्ययोजना के अंतर्गत निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। नगर निगम हरिद्वार को शासन से 13 नए ठोस अपशिष्ट संग्रहण टिपर वाहन प्राप्त हुए हैं, जिनके माध्यम से सभी वार्डों में घर-घर ठोस अपशिष्ट संग्रहण को शत-प्रतिशत करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इन वाहनों के संचालन से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा। इसके अतिरिक्त भगत सिंह चौक स्थित ट्रांसफर स्टेशन परिसर में शीघ्र ही वृक्षारोपण किए जाने की कार्यवाही भी प्रारंभ की जा रही है। नगर निगम द्वारा यहां कर्मचारियों की तैनाती की गई है, जिनके द्वारा ट्रांसफर स्टेशन पर आने-जाने वाले वाहनों की निगरानी की जा रही है तथा बाहरी एवं अनधिकृत वाहनों को रोका जा रहा है। नगर आयुक्त नंदन कुमार द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि नगर निगम हरिद्वार द्वारा उक्त स्थल पर भविष्य में पूर्णतः मशीनरी युक्त स्मार्ट ट्रांसफर स्टेशन विकसित किए जाने हेतु डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) तैयार की जा रही है।

नगर निगम हरिद्वार द्वारा आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर रैंकिंग प्राप्त करने के उद्देश्य से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में निरंतर योजनाबद्ध एवं प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे हरिद्वार को स्वच्छ, सुंदर एवं सुव्यवस्थित नगरी के रूप में विकसित किया जा सके।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने माघ मेले का किया शुभारंभ

उत्तरकाशी में विकास की गंगा प्रवाहित

पथ प्रवाह, उत्तरकाशी

मकर संक्रांति के पर्व पर उत्तरकाशी में सुप्रसिद्ध माघ मेला (बाड़ाहाट कू थौलू) आज से शुरू हो गया है। पौराणिक माघ मेले का उद्घाटन बाड़ाहाट पट्टी के आराध्य कंडार देवता तथा बाड़ागड्डी क्षेत्र के हरि महाराज की डोली के सानिध्य में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में किया गया। जनपद के रामलीला मैदान में सप्ताह भर चलने वाला बाड़ाहाट का थौलू के नाम से प्रचलित यह पौराणिक मेला जनपद की विशिष्ट धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं का संवाहक है।

आज माघ मेला में भाग लेने के लिए विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में ग्रामीण लोक देवताओं की डोलियों और धार्मिक प्रतीकों के साथ उत्तरकाशी पहुँचे। भागीरथी नदी में पर्व स्नान करने के बाद कंडार देवता व हरि महाराज सहित अनेक देवडोलियों के साथ स्थानीय ग्रामीणों ने बाड़ाहाट (उत्तरकाशी नगर का पुरातन क्षेत्र) स्थित चमाला की चौंरी पर पहुँचकर डोलीनृत्य व रासो-तांदी नृत्य कर बाड़ाहाट के थौलू (मेला) की अनूठी धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं की छटा बिखेरी।

अपराह्न में रामलीला मैदान में कंडार देवता व हरि महाराज की आगवानी में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दीप प्रज्जवलित कर माघ मेला का औपचारिक शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मेला पांडाल में घण्डियाल देवता, खंडद्वारी देवी, राज-राजेश्वरी देवी, त्रिपुर सुंदरी,नाग देवता व दक्षिण काली सहित अनेक देवडोलियों व धार्मिक प्रतीकों की भी उपस्थिति रही। उद्घाटन समारोह में त्रृषिराम शिक्षण संस्थान की छात्राओं ने स्वागत गान एवं नृत्य

प्रस्तुत किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी को मकर संक्रांति और माघ मेले की बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आज उन्हें बाबा विश्वनाथ की नगरी और मां भागीरथी की पावन धरा पर आयोजित पौराणिक और ऐतिहासिक धार्मिक मेले के शुभारम्भ में भाग लेने का अवसर प्राप्त हुआ। यह एक लोक आस्था का महाकुंभ है और आज के दिन से ही मांगलिक कार्यों की शुरुआत होती है। आज उत्तरकाशी जनपद अपनी एक आध्यात्मिक पहचान बना रहा है। वहीं विकास के पथ पर भी अग्रसर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सरकार की नीतियां सिर्फ फ़ाइलों तक सीमित नहीं है सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंच रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज सांस्कृतिक विरासत सुरक्षित है और विकास भी सुनिश्चित हो रहा है एवं पर्यटन के क्षेत्र में आजीविका के नए अवसर बनाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि उत्तरकाशी जनपद में 1000 करोड़ से अधिक की लागत से सड़कों का निर्माण, मरम्मत और सुधारीकरण के कार्य किए जा रहे हैं। उत्तरकाशी में ही 23 करोड़ की लागत से 50 बेड का क्रिटिकल केयर यूनिट बनाया जा रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पुरोला का उच्चीकरण कर रू. 46 करोड़ की लागत से उपजिला अस्पताल बनाया जा रहा है। सिल्क्यारा टनल का ब्रेकथ्रू भी हो चुका है जल्द ही इस टनल का कार्य पूर्ण होने से क्षेत्रवासियों सहित पर्यटकों को भी सहूलियत मिलेगी। इस टनल के निर्माण से यमुनोत्री और गंगोत्री के मध्य लगभग 25 किमी की दूरी भी कम होगी। यमनोत्री में हैलीपेड निर्माण, सिंचाई योजनाएं, भटवाड़ी में बाढ़ सुरक्षा कार्य सहित विकास के अन्य कार्य किए जा रहे है। मुख्यमंत्री ने कहा आज सरकार 13 डिस्ट्रिक्ट 13 डेस्टिनेशन कार्यक्रम पर कार्य कर रही है। वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम से भी पर्यटन को नया आयाम दिया जा रहा है। जादुंग में उत्सव मैदान का निर्माण किया जा रहा है। आज उत्तरकाशी जनपद में 12 हजार लखपति दीदी बन चुकी है। जो आत्मनिर्भर उत्तराखंड की तस्वीर को प्रदर्शित करती है। सतत् विकास लक्ष्य इंडेक्स में भी आज उत्तराखंड प्रथम स्थान हासिल किया है तथा राज्य में भी उत्तरकाशी तीन प्रमुख जिलों में शामिल है। आज राज्य में रिवर्स पलायन भी बढ़ रहा है लोग आज अपने पैतृक निवास की और लौट रहे है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार देवभूमि की संस्कृति के साथ किसी को भी छेड़-छाड़ की इजाजत नहीं दी जाएगी। देवभूमि में किसी भी प्रकार का जिहाद नहीं चलेगा। अंकिता भंडारी केस पर उन्होंने कहा कि हमने पहले भी जांच करवाकर अपराधियों को जेल पहुंचाने का काम किया है तथा स्वयं अंकिता भंडारी के माता पिता से मिलकर उनकी भावनाओं के अनुरूप सीबीआई जांच के आदेश दिए है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वो अंकिता भंडारी को पहले भी न्याय दिलाने के खड़े थे और आगे भी खड़े रहेंगे।

सीएम धामी ने शक्ति मंदिर एवं बाबा काशी विश्वनाथ मंदिर में की पूजा-अर्चना

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने जनपद भ्रमण के दौरान पौराणिक भगवान विश्वनाथ मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की और मंदिर परिसर में दर्शन के उपरांत महान संतों के आशीर्वचनों और उनके आध्यात्मिक संदेशों पर आधारित संकलन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड देवभूमि है और यहाँ के संतों का तप व ज्ञान हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। उन्होंने कहा कि संतों के दिव्य वचन समाज को सही मार्ग दिखाने के साथ-साथ हमारी युवा पीढ़ी को संस्कारों से जोड़ने में सहायक हैं। इस अवसर पर गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान, पुरोला विधायक दुर्गेशवर लाल,प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. स्वराज विद्वान, प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान,जिला पंचायत अध्यक्ष रमेश चौहान, जिला अध्यक्ष भाजपा नागेन्द्र चौहान, दर्जाधारी राज्यमंत्री राम सुंदर नौटियाल, प्रताप सिंह पंवार, जगत सिंह चौहान, पूर्व विधायक विजयपाल सजवाण, गढ़वाल समन्वयक किशोर भट्ट, ब्लॉक प्रमुख राजदीप परमार, ममता पंवार, पूर्व जिलाध्यक्ष सत्येंद्र राणा, जिला महामंत्री महावीर सिंह नेगी, परशुराम जगुडी, नगर पालिकाध्यक्ष भूपेन्द्र चौहान, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष हरेंद्र राणा, हरीश डंगवाल, शैलेन्द्र कोहली, गिरीश भट्ट, लोकेंद्र बिष्ट, सूरत राम नौटियाल,जिलाधिकारी प्रशांत आर्य, पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय , मुख्य विकास अधिकारी जय भारत सिंह सहित अन्य अधिकारी और जनप्रतिनिधिगण व बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

एक नजर

मंगलौर पुलिस की कार्रवाई, गोकशी के फरार आरोपी को दबोचा

पथ प्रवाह, हरिद्वार। एसएसपी हरिद्वार की ज़ीरो टॉलरेंस नीति के तहत गोकशी के मामलों में सख्त कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में कोतवाली मंगलौर पुलिस ने गोकशी की वारदात के बाद फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 12 जनवरी 2026 को ग्राम टांडा भन्हेड़ा के जंगलों में गोकशी की सूचना मिलने पर मंगलौर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की थी। मौके से एक आरोपी को गोमांस व गौकशी में प्रयुक्त उपकरणों सहित गिरफ्तार किया गया था, जबकि अन्य आरोपी मौके से फरार हो गए थे। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा लगातार सुरागरसी-पतारसी की जा रही थी और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया था। इसी क्रम में मुखबिर की सूचना पर गोकशी प्रकरण से जुड़े एक अन्य फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान आरिफ उर्फ तस्लीम पुत्र याकूब, निवासी मोहल्ला किला, कस्बा व थाना मंगलौर, जनपद हरिद्वार के रूप में हुई है। आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में आवश्यक विधिक कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका: इस सफल कार्रवाई में उप निरीक्षक प्रदीप कुमार, हेड कांस्टेबल माजिद खान तथा कांस्टेबल रविन्द्र शामिल रहे।

बहादराबाद पुलिस ने कंपनी से चोरी करने वाले आरोपी को दबोचा

पथ प्रवाह, हरिद्वार। थाना बहादराबाद क्षेत्र में स्थित विम प्लास्ट लिमिटेड कंपनी से स्टील पाइप चोरी करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वादी बृजमोहन गुप्ता की तहरीर पर 12 जनवरी 2026 को थाना बहादराबाद में चोरी का मुकदमा दर्ज किया गया था।

पुलिस टीम ने सुरागरसी-पतारसी व मुखबिर तंत्र को सक्रिय करते हुए 14 जनवरी 2026 को बेगमपुर क्षेत्र से आरोपी विशाल धीमान को दबोच लिया। आरोपी की निशानदेही पर चोरी किए गए 250 स्टील पाइप बरामद किए गए। मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया।

पुलिस टीम: उप निरीक्षक जगमोहन सिंह, कांस्टेबल अंकित कुमार एवं अवनेश राणा शामिल रहे।

रानीपुर पुलिस ने शातिर भूमि ठग को दबोचा, कई मामलों में था वांछित

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

कोतवाली रानीपुर पुलिस ने जमीन के नाम पर लोगों से लाखों रुपये की ठगी करने वाले एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था और उसके विरुद्ध रानीपुर व ज्वालापुर सहित अन्य थानों में धोखाधड़ी के कई मुकदमे दर्ज हैं। इसके साथ ही वह चेक बाउंस के मामले में माननीय न्यायालय से भी वांछित था। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 08 मार्च 2024 को प्रमोद पुत्र फूल सिंह, निवासी टिहरी विस्थापित कॉलोनी, रानीपुर की तहरीर पर कोतवाली रानीपुर में मुकदमा अपराध संख्या 83/24 धारा 420, 120बी, 452, 323, 504, 506, 354 भादवि के तहत मामला दर्ज किया गया था। आरोप था कि संजय कुमार व उसके साथियों ने जमीन बेचने के नाम पर 14 लाख रुपये की धोखाधड़ी की तथा विरोध करने पर घर में घुसकर मारपीट व जान से मारने की धमकी दी। जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी संजय कुमार पुत्र अजीत सिंह, निवासी पीएसी रोड, टिहरी विस्थापित कॉलोनी, एक आदतन ठग है, जो

जमीन की खरीद-फरोख्त के नाम पर लगातार लोगों को ठगता रहा है। आरोपी के विरुद्ध थाना ज्वालापुर में भी धोखाधड़ी से संबंधित कई मुकदमे दर्ज हैं। साथ ही उसके खिलाफ धारा 138 एनआई एक्ट (चेक बाउंस) का मामला भी न्यायालय में विचाराधीन है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत रानीपुर पुलिस ने न्यायालय से वारंट प्राप्त कर 13 जनवरी 2026 को मुखबिर की सूचना पर आरोपी को उसके निवास स्थान के पास से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस टीम की भूमिका

इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक शांति कुमार, वरिष्ठ उप निरीक्षक नितिन चौहान, उप निरीक्षक देवेंद्र सिंह पाल, कांस्टेबल सुमित जुयाल एवं रविंद्र बिष्ट शामिल रहे।

बेरीनाग में दर्दनाक सड़क हादसा, कार खाई में गिरने से दो महिलाओं की मौत

पथ प्रवाह, बेरीनाग (पिथौरागढ़)।

बेरीनाग क्षेत्र में बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। चाकबोरा मोटर मार्ग पर राईआगर राम मंदिर मार्ग के पास एक कार अनियंत्रित होकर करीब 100 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में कार सवार दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक गंभीर रूप से घायल हो गया।

मृतक महिलाएं आपस में देवरानी-जेठानी बताई जा रही हैं और दोनों विधवा थीं। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। स्थानीय लोगों के अनुसार वाहन तेज रफ्तार में था, जिससे चालक नियंत्रण खो बैठा।

सूचना मिलते ही 112 हाईवे पुलिस और बेरीनाग थाना पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से तत्काल रेस्क्यू अभियान चलाया गया। घायल चालक को

खाई से निकालकर उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस प्रशासन ने वाहन चालकों से पहाड़ी मार्गों पर सतर्कता बरतने की अपील की है।

वीरों के त्याग और बलिदान को स्मरण रखने वाला राष्ट्र ही सशक्त बनता है: सांसद त्रिवेन्द्र

पथ प्रवाह, रुड़की

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरिद्वार सांसद त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने दायाँ नहर किनारा, बिजली घर संख्या-06 के निकट, रुड़की में वीर क्षत्रिय सम्राट पृथ्वीराज चौहान की भव्य प्रतिमा का विधिवत अनावरण किया।

इस अवसर पर सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि भारतीय इतिहास में क्षत्रिय परंपरा का योगदान राष्ट्ररक्षा, स्वाभिमान और बलिदान से जुड़ा रहा है। सम्राट पृथ्वीराज चौहान जैसे महापुरुषों ने किसी एक वर्ग के लिए नहीं, बल्कि समस्त समाज और मातृभूमि के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उन्होंने कहा कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति उसके आदर्शों, त्याग और वीर चरित्रों से प्रेरणा

लेने से होती है। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को भारत के वीरों और महापुरुषों के जीवन से परिचित कराना आवश्यक है, ताकि उनमें राष्ट्रप्रेम, कर्तव्यबोध और

सामाजिक एकता की भावना विकसित हो। नई शिक्षा नीति इस दिशा में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। अंत में उन्होंने कहा कि सम्राट पृथ्वीराज चौहान जी की यह प्रतिमा साहस, राष्ट्रभक्ति और प्रेरणा का स्थायी प्रतीक बनेगी।

कार्यक्रम में रानीपुर विधायक आदेश चौहान, रुड़की मेयर अनीता अग्रवाल, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप सिंह तंवर, कार्यक्रम अध्यक्ष यशवंत सिंह चौहान, कार्यक्रम संचालक अरविंद राजपूत, राज्यमंत्री डॉ. जयपाल सिंह चौहान, पूर्व मेयर यशपाल राणा, वरिष्ठ भाजपा नेता मयंक गुप्ता, प्रणय प्रताप सिंह, ललित मोहन अग्रवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पांच लाख श्रद्धालुओं ने किया मकर संक्रांति पर गंगा स्नान, चाक चौबंद रही पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

मकर संक्रांति के पावन पर्व पर पांच लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने धर्मनगरी में मां गंगा में आस्था की डुबकी लगायी। बुधवार तड़के ब्रह्ममुहूर्त से ही धर्मनगरी हरिद्वार के हरकी पैड़ी समेत सभी गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। कड़ाके की ठंड और घने कोहरे के बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था भारी पड़ती दिखाई दी। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की थी। भारी संख्या में स्नान घाटों और सार्वजनिक स्थलों पर पुलिस फोर्स तैनात किया गया था। देर रात से ही हरकी पैडी समेत अन्य घाटों पर श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। 'हर हर गंगे' और 'हर हर महादेव' के जयघोष के साथ देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान किया। घने कोहरे के बीच श्रद्धालुओं ने गंगा

स्नान और दान पुण्य कर पुण्य लाभ कमाया और सुख समृद्धि की कामना भी की। सुबह से शाम तक हरकी पैड़ी के मालवीय घाट, सुभाष घाट, नाई सोता घाट, गऊ घाट एवं अन्य घाटों पर लगातार श्रद्धालुओं का आवागमन बना रहा। पुलिस प्रशासन के मुताबिक शाम की गंगा आरती दर्शन के समय तक 4 लाख 90 हजार श्रद्धालु गंगा स्नान कर वापस अपने गंतव्य की ओर रवाना हो गए थे। गंगा आरती के बाद भी श्रद्धालुओं का आने जाने का सिलसिला चल रहा था। कुछ लोग 15 जनवरी को भी मकर संक्रांति स्नान पर्व मनाएंगे। मान्यता है ?कि मकर संक्रांति के दिन खिचड़ी, गुड़ से बनी मिठाई, तिल, गर्म वस्तुओं का दान करने से विशेष फल की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही गंगा स्नान और भगवान सूर्य को जल अर्पित करने से सभी मनोकामनाएं भी सिद्ध होती हैं। मकर संक्रांति पर उत्तराखंड के अलावा उत्तर प्रदेश, पंजाब, दिल्ली और हरियाणा समेत तमाम राज्यों के श्रद्धालु हरिद्वार पहुंचकर गंगा स्नान कर पुण्यलाभ कमाया।

मेला ड्यूटी में लगा पुलिस फोर्स

08 पुलिस उपाधीक्षक, 12 निरीक्षक/थानाध्यक्ष, 87 उपनिरीक्षक/अपर उपनिरीक्षक/महिला उपनिरीक्षक, 131 हेड कांस्टेबल/कांस्टेबल, 382 हेड कांस्टेबल प्रशिक्षु, 45 महिला आरक्षी, 03 यातायात निरीक्षक, 18 यातायात उपनिरीक्षक/ अपर उपनिरीक्षक, 42 हेड कांस्टेबल/कांस्टेबल यातायात, 05 कंपनी+ 01 प्लाटून पीएसी, 02 टीम बम निरोधक दस्ता, 01 टीम एटीएस, 16 कर्मी जल पुलिस/गोताखोर, 16 कर्मी अभिसूचना इकाई, 07 यातायात उप निरीक्षक, 37 हेड कांस्टेबल/कांस्टेबल, 02 फायर टेंडर मय उपकरण

मंदिरों पर कतार में किये दर्शन

मनसा देवी और चंडी देवी मंदिर में ड्यूटी प्रभारियों ने कमान संभाली। श्रद्धालुगणों को कतार में ही आगे दर्शन के लिए बढ़ने दिया। स्नान के दौरान घाटों पर श्रद्धालुओं के डूबने की संभावना को देखते हुए जल पुलिस की टीमें तैनात रही। हाइवे समेत शहर के अंदर लागू किये गए यातायात प्लान का सभी ने पालन कराया। जिसकी वजह से लाखों की भीड़ के बावजूद शहर के अंदर कहीं जाम की स्थिति नहीं बनी।

हरिद्वार में गैर-हिंदू प्रवेश निषेध की मांग तेज, गंगा सभा ने प्रशासन और मीडिया से की अपील

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

'कुंभ क्षेत्र और हर की पौड़ी में यदि अहिंदू प्रवेश निषेध की बात की जा रही है, तो यह किसी एक संस्था तक सीमित नहीं है। सरकारी विभाग हों, संस्थान हों या मीडिया कर्मी–कोई भी अहिंदू व्यक्ति इन पवित्र क्षेत्रों में प्रवेश न करे,' यह स्पष्ट कहना है श्री गंगा सभा के अध्यक्ष नितिन गौतम का।

कुंभ से पहले हरिद्वार के कुंभ क्षेत्र और गंगा घाटों में गैर-हिंदू प्रवेश पर प्रतिबंध की मांग लगातार तेज होती जा रही है। गंगा सभा अध्यक्ष नितिन गौतम ने कहा कि सनातन परंपरा, मां गंगा की धार्मिक अस्मिता और हर की पौड़ी की पवित्र व्यवस्था सर्वोपरि है और इसी भावना के आधार पर यह मांग उठाई जा रही है।

उन्होंने कहा कि 1916 के म्युनिसिपल बायलॉज हर की पौड़ी और आसपास के क्षेत्रों की धार्मिक मर्यादा को ध्यान में रखकर बनाए गए थे और संवैधानिक प्रावधानों के अंतर्गत इनका पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। नितिन गौतम ने हाल में हुई एक घटना का हवाला देते हुए कहा कि कुछ लोग भेष बदलकर क्षेत्र में प्रवेश कर माहौल खराब करने का प्रयास कर रहे हैं, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

गंगा सभा अध्यक्ष ने मांग की कि हर की पौड़ी और आसपास के गंगा घाटों पर गैर-हिंदू

प्रवेश निषेध के स्पष्ट बोर्ड लगाए जाएं और कानून-व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहे। उन्होंने बताया कि इस विषय पर उनकी वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों से बातचीत हो चुकी है और उनसे आग्रह किया गया है कि प्रतिबंधित क्षेत्र में किसी भी गैर-हिंदू कर्मचारी की तैनाती न की जाए।

इसके साथ ही उन्होंने जिला सूचना अधिकारी और मीडिया संस्थानों से भी अपील की कि प्रतिबंधित क्षेत्रों में गैर-हिंदू पत्रकारों की ड्यूटी न लगाई जाए। नितिन गौतम ने सभी सनातनियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि यह मुद्दा करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था और मां गंगा की मर्यादा से जुड़ा हुआ है।

जन-जन की सरकार शिविर में जिलाधिकारी ने लिए मौके पर फैसले, अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश

पथ प्रवाह, पौड़ी।

दूरस्थ क्षेत्रों के भ्रमण के तीसरे दिन जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया बुधवार को विकासखंड थलीसैंण के राजकीय इंटर कॉलेज गंगाऊं पहुँचीं। जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान के अंतर्गत आयोजित न्याय पंचायत पित्रसैंण बहुउद्देश्यीय शिविर में उन्होंने ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएँ सुनीं और कई मामलों में मौके पर ही निर्णय लेते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए।

शिविर स्थल पर पहुँचने पर स्थानीय ग्रामीणों ने जिलाधिकारी का फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया। जिलाधिकारी ने विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण करते हुए कहा कि योजनाओं का लाभ केवल कागज़ों तक सीमित न रहकर पात्र व्यक्तियों तक वास्तविक रूप में पहुँचना चाहिए। बालिका जन्मोत्सव कार्यक्रम के दौरान उन्होंने बच्चों के साथ केक काटा, कविता देवी को मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट प्रदान की तथा एक बच्चे का अन्नप्राशन कराकर प्रशासन की संवेदनशीलता का संदेश दिया।

शिविर की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि जनसमस्याओं का समाधान फाइलों में नहीं, बल्कि धरातल पर दिखाई देना चाहिए। जसपुर-चौखाल, धांधणखेत-ग्वारी तथा हस्यूड़ी-धांधणखेत

मोटर मार्गों के आपदा से क्षतिग्रस्त होने की शिकायतों पर 31 जनवरी से कार्य शुरू करने की समयसीमा तय की गई। रौतापानी क्षेत्र में पंपिंग समस्या के समाधान के लिए जल निगम को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने राजकीय इंटर कॉलेज गंगाऊं का नामकरण शहीद स्व. राजे सिंह बंगारी के नाम पर किए जाने के प्रस्ताव को शासन को पुनः भेजने, धांधणखेत-द्वारी मार्ग पर टूटे पुश्तों के निर्माण हेतु पीएमजीएसवाई के माध्यम से कार्य शुरू कराने, नेटवर्क समस्या वाले क्षेत्रों की पहचान कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने तथा भीड़ा बाजार से पित्रसैंण झूला पुल तक पैदल मार्ग की मरम्मत शीघ्र कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा गंगाऊं मिनी स्टेडियम संपर्क मार्ग, पेयजल स्रोतों की सफाई, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्लांट हेतु भूमि चिन्हांकन, होमस्टे योजनाओं में आवेदन, स्वास्थ्य केंद्र में विशेषज्ञ सेवाओं की साप्ताहिक व्यवस्था सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। शिविर में 23 विभागों के स्टॉल लगाए गए, जहाँ 205 लोगों को मौके पर ही लाभ प्रदान किया गया। कार्यक्रम में कुल 610 लोग उपस्थित रहे।

इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, जिला स्तरीय अधिकारियों एवं बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीणों की सहभागिता रही, जिससे शिविर एक प्रभावी जनसंवाद का मंच बनकर सामने आया।

तप, त्याग और सनातन संस्कृति के संवाहक थे ब्रह्मलीन स्वामी चेतनानंद गिरि महाराज : श्रीमहंत रविन्द्र पुरी

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

तप, त्याग और ब्रह्मनिष्ठ जीवन की प्रतिमूर्ति ब्रह्मलीन स्वामी चेतनानंद गिरि महाराज की पुण्यतिथि बुधवार को श्रद्धा, भक्ति और गरिमामयी वातावरण में मनाई गई। संन्यास मार्ग स्थित श्री चेतनानंद गिरि आश्रम में आयोजित पुण्यतिथि समारोह में देश के विभिन्न प्रांतों से आए संत-महात्माओं, श्रद्धालुओं और भक्तों ने महाराजश्री को श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके आध्यात्मिक योगदान का स्मरण किया।

अध्यक्षीय संबोधन में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष एवं श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी के सचिव श्रीमहंत रविन्द्र पुरी महाराज ने स्वामी चेतनानंद गिरि महाराज

को ब्रह्मनिष्ठ, सरल और चरित्रवान संत बताया। उन्होंने कहा कि स्वामी जी का जीवन तप और त्याग की अनुपम मिसाल है, जो आने वाली पीढ़ियों के संतों एवं समाज के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बना रहेगा। वे उदार हृदय, सनातन धर्म के सच्चे रक्षक और संत समाज के सशक्त मार्गदर्शक थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन संतों की सेवा, सनातन संस्कृति के संरक्षण एवं उसके उत्थान के लिए समर्पित कर दिया।

श्रीमहंत रविन्द्र पुरी महाराज ने कहा कि स्वामी चेतनानंद गिरि महाराज ने आश्रम में गौ सेवा, ब्राह्मण सेवा और शिक्षा जैसे जनकल्याणकारी कार्यों की मजबूत नींव रखी। उन्हीं की प्रेरणा से उनकी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए वर्तमान में स्वामी रामानंद गिरि महाराज सनातन मूल्यों के संरक्षण एवं सेवा कार्यों को निरंतर गति प्रदान कर रहे हैं।

इस अवसर पर महामंडलेश्वर स्वामी सोमश्वरानंद गिरि महाराज ने अपने दादा गुरु स्वामी चेतनानंद गिरि महाराज को सत परंपरा और सिद्धांतों का पुरोधा बताते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि स्वामी जी का आध्यात्मिक मार्गदर्शन संत समाज के लिए अमूल्य धरोहर है।

आश्रम के परमाध्यक्ष महंत रामानंद गिरि एवं स्वामी कृष्णानंद गिरि ने कार्यक्रम में पधारे संतों, अतिथियों एवं श्रद्धालुओं का स्वागत किया। इससे पूर्व अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ का आयोजन किया गया, जिसके उपरांत हवन, गुरु पूजन एवं रुद्राभिषेक संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अंत में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों संतों एवं भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। पुण्यतिथि समारोह श्रद्धा, सेवा और सनातन संस्कृति की भावना से ओतप्रोत रहा।

गुरु गोबिंद सिंह का जीवन संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणास्त्रोत: आचार्य बालकृष्ण

पतंजलि विवि में मनाया गया प्रकाश पर्व एवं लोहड़ी उत्सव

पथ प्रवाह, हरिद्वार

श्री गुरु गोबिंद सिंह चेयर के तत्वावधान में पतंजलि विश्वविद्यालय परिसर में श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का प्रकाश पर्व एवं लोहड़ी उत्साहपूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति आचार्य बालकृष्ण जी, प्रति-कुलपति प्रो. मयंक कुमार अग्रवाल, अधिष्ठाता, मानविकी एवं प्राच्य विद्या संकाय डॉ. साध्वी देवप्रिया एवं अधिष्ठाता, शोध एवं शिक्षण डॉ. ऋत्विक सहाय द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

इस अवसर पर कुलपति आचार्य बालकृष्ण जी ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह जी का जीवन 'संत-सिपाही' की परंपरा का प्रतीक है। उनकी शिक्षाएँ संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणास्रोत हैं, जो अन्याय के विरुद्ध निर्भय होकर खड़े होने तथा राष्ट्रप्रेम व चरित्र निर्माण का संदेश देती हैं।

कार्यक्रम में श्री गुरु गोबिंद सिंह चेयर के प्रोफेसर डॉ. जीत सिंह संधू ने गुरु गोबिंद सिंह जी की ऐतिहासिक भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने वंचित समाज को आत्मसम्मान और साहस प्रदान कर उन्हें 'सिंह' बनाया। खालसा पंथ की स्थापना एक युगांतरकारी घटना है, जो सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है।

कार्यक्रम में अधिष्ठाता, विज्ञान संकाय एवं परीक्षा नियंत्रक प्रो. अरविंद कुमार सिंह, अधिष्ठाता, प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग विज्ञान संकाय डॉ. तोरण सिंह, अधिष्ठाता, छात्र कल्याण डॉ. विनय कुमार शर्मा सहित अनेक शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चेयर की समन्वयक डॉ. निवेदिता शर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के पश्चात पारंपरिक लोहड़ी प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम का संचालन चेयर की सहायक समन्वयक डॉ. गुरनीत कौर द्वारा किया गया।

एक नजर

साहस, व्यावसायिकता और निस्वार्थ सेवा का स्थायी प्रतीक सशस्त्र सेना पूर्व सैनिक दिवस : एडमिरल त्रिपाठी

नयी दिल्ली। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने 10वें सशस्त्र सेना पूर्व सैनिक दिवस के अवसर पर बुधवार को सभी पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को हार्दिक शुभकामनाएं दी और उन्हें साहस, व्यावसायिकता और निस्वार्थ सेवा का स्थायी प्रतीक बताया। एडमिरल त्रिपाठी कहा कि पूर्व सैनिक दिवस सिर्फ एक यादगार कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र के प्रति जीवन भर के समर्पण, बलिदान और अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि अनुशासन, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के मूल्य सेवा कर्मियों को प्रेरित करते रहेंगे और आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करेंगे। एडमिरल त्रिपाठी ने पूर्व सैनिकों को आश्वासन दिया कि भारतीय नौसेना और अन्य सेवाएं उनके कल्याण, भलाई और गरिमा के प्रति प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि यह बंधन सेवानिवृत्ति के साथ खत्म नहीं होता। उन्होंने पूर्व सैनिकों की विरासत को आगे बढ़ाने में रक्षा सेवाओं के गर्व को व्यक्त किया।

सांसदों ने ट्रंप की सैन्य शक्ति को सीमित करने के लिए पेश किया विधेयक, ग्रीनलैंड पर हमले के लिए धन नहीं

वाशिंगटन। अमेरिका के सांसदों (सीनेटर) ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ग्रीनलैंड सहित किसी भी नाटो सदस्य देश या क्षेत्र पर हमला करने या कब्जा करने से रोकने के लिए एक विधेयक पेश किया है। मंगलवार को पेश किया गया 'नाटो यूनिटी प्रोटेक्शन एक्ट' विधेयक रक्षा विभाग और विदेश विभाग को किसी भी नाटो सदस्य देश के क्षेत्र की 'नाकेबंदी करने, कब्जा करने, विलय करने या नियंत्रण स्थापित करने' के लिए धन के उपयोग पर रोक लगाने का प्रावधान करता है। इसके अलावा, रिपब्लिकन पार्टी के सीनेटर डॉन बेकन ने डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों के साथ मिलकर एक ऐसा विधेयक पेश किया है, जो राष्ट्रपति को ग्रीनलैंड पर कब्जा करने के लिए सैन्य बल का उपयोग करने से पहले ही रोकने का प्रयास करता है।

श्री बेकन ने एक बयान में लिखा, 'सोमवार को पेश किया गया 'नो फंड्स फॉर नाटो इन्वेज़न एक्ट' विधेयक किसी भी नाटो सदस्य देश या नाटो-संरक्षित क्षेत्र पर आक्रमण के लिए संघीय धन के उपयोग को प्रतिबंधित करेगा।

राष्ट्रपति मुर्मू, रक्षा मंत्री राजनाथ ने सशस्त्र सेना पूर्व सैनिक दिवस पर पूर्व सैनिकों को सलाम किया

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को सशस्त्र सेना पूर्व सैनिक दिवस पर देश के पूर्व सैनिकों के बलिदान और त्याग को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति मुर्मू ने एक्स पर एक पोस्ट में 'देश के पूर्व सैनिकों की वीरता, समर्पण और बलिदान' को याद करते हुए कहा कि उनका अटूट साहस हर भारतीय को प्रेरित करता रहता है। उन्होंने कहा कि ऐसे मौके सैनिकों को श्रद्धांजलि देने और उनके प्रति आभार व्यक्त करने के अवसर होते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि पूर्व सैनिक देश के प्रति गहराई से समर्पित हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

ने भी एक्स पर 'हमारे पूर्व सैनिकों और सेवारत कर्मियों के प्रति गहरी कृतज्ञता' व्यक्त करते हुए उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि कि उनके बलिदान भारत की सीमाओं की जीवित ढाल बनते हैं और देश की रक्षा करते हैं। उन्होंने पूर्व सैनिकों, सेवारत कर्मियों और उनके परिवारों की गरिमा और कल्याण के प्रति पूर्ण एवं अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि की। सशस्त्र सेना पूर्व सैनिक दिवस हर साल 14 जनवरी को फील्ड मार्शल केएम करिअप्पा, ओबीई, भारतीय सेना के पहले कमांडर-इन-चीफ की विरासत और उत्कृष्ट सेवा का सम्मान करने के लिए मनाया जाता है। वह 1953 में इसी दिन सेवानिवृत्त हुए थे।

दिल्ली एनसीआर में ठिठुरन, कोहरे के साथ खराब वायु गुणवत्ता से जनजीवन प्रभावित

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी और इसके आसपास के इलाकों में बुधवार सुबह भीषण शीतलहर और अचानक छाए घने कोहरे के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, दिल्ली में न्यूनतम तापमान 3.8 डिग्री रहने के साथ भीषण शीतलहर का प्रकोप जारी है।

सुबह के समय दिल्ली- राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में कोहरे की घनी चादर छाई रही, जो अब धीरे-धीरे छंटने लगी है। कोहरे के कारण दृश्यता में कमी देखी गयी। दिल्ली एयरपोर्ट ने कम दृश्यता को लेकर परामर्श जारी किया और यात्रियों को उड़ान की जानकारी के लिए अपनी एयरलाइन कंपनियों से संपर्क करने की सलाह दी, हालांकि विमानों का संचालन सामान्य रहा।

मौसम विभाग ने बताया कि एनसीआर में लगातार तीसरे दिन शीतलहर जारी रही और

सुबह घना कोहरा छाया रहा। विभाग ने अनुमान जताया है कि ठंड का यह प्रकोप बना रहेगा और दिल्ली तथा आसपास के इलाकों में न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी नीचे रहने की उम्मीद है। रात और सुबह के समय कोहरा छाए रहने की जबकि दिन में आसमान मुख्य रूप से साफ रहने की उम्मीद है।

इसी के साथ औसत वायु गुणवत्ता सुचकांक (एक्यूआई) 360 के आसपास रहने के साथ वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में बनी रही। कुछ स्थानों पर एक्यूआई का स्तर 400 के करीब पहुँच गया।

गौरतलब है कि 301 से 400 के बीच के एक्यूआई को 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच को 'गंभीर' माना जाता है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, आनंद विहार में सुबह सात बजे एक्यूआई 366 दर्ज किया गया, जबकि बवाना में यह 361 रहा। जहांगीरपुरी में स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक रही, जहाँ एक्यूआई 420 तक पहुँच गया। आरके पुरम में 407, द्वारका सेक्टर-8 में 403, पंजाबी बाग में 366, वज़ीरपुर में 386 और चांदनी चौक में 397 एक्यूआई दर्ज किया गया।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाईट- www.pathpravah.com